सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659



# सत्ता परिवर्तन या रिपीट होगी सरकार?

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में दोनों चरणों की वोटिंग खत्म होने के बाद राजनीतिक पंडित इस गुणा भाग में लग गए हैं कि इस बार किसकी सरकार बनने जा रही है। इसके लिए आंकड़े खंगाले जा रहे हैं। इस बीच दोनों ही दल कांग्रेस व भाजपा राज्य में सरकार बनाने के दावे कर रहे हैं। दोनों दलों के नेताओं में सरकार बनाने के प्रति आश्वस्ति दिख रही है।

## दोनों ही दल सरकार बनाने दिख रहे आश्वस्त

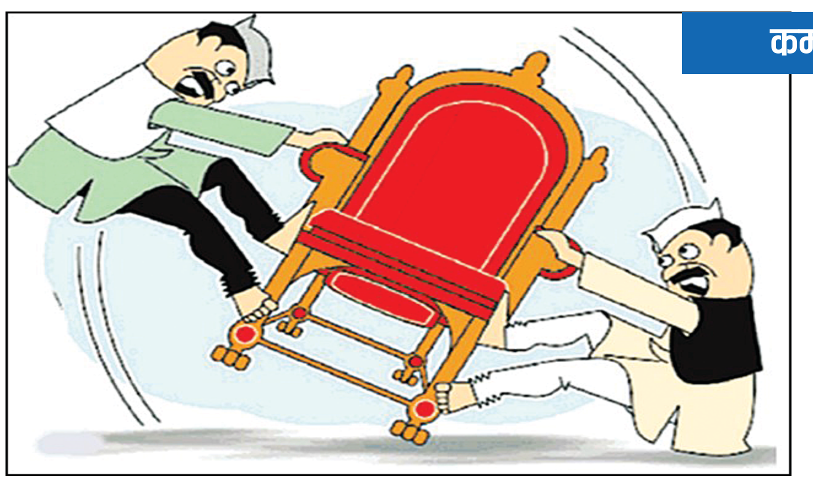

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में शुक्रवार को 70 सीट के लिए दूसरे एवं अंतिम चरण की वोटिंग हुई। राज्य में कुल 70.59 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। चुनाव आयोग के अनुसार, फाइनल आकंड़ा 75 फीसदी के करीब जा सकता। प्रदेश में दूसरे चरण के मतदान के लिए 1,63,14,479 मतदाता थे। इस चरण में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, आठ मंत्रियों और चार सांसदों समेत 958 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया। पहले फेज की 20 फीसदी सीटों पर 76 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ।

दूसरे फेज के मतदान में संजारी बालोद सीट पर 84.07 फीसदी तथा राजधानी रायपुर की रायपुर नगर दक्षिण सीट पर सबसे कम 52.11 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य में हुई बंपर वोटिंग के क्या सियासी मायने हैं। दोनों ही दलों कांग्रेस व भाजपा सरकार बनाने के प्रति आश्वस्त दिख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों को करीब 75 फीसद वोटिंग के आंकड़े हैरान जरूर कर रहे हैं। लेकिन यह देखना भी जरूरी है कि इससे पहले हुए चुनावों में कितने फीसद वोटिंग हुई।

### कांटे की टक्कर

मतदान के बाद कयासों का दौर शुरू हो गया है। कहा जा रहा है कि इस बार कांग्रेस व भाजपा के बीच कांटे की टक्कर है। लेकिन यह तो तय है कि 2018 की अपेक्षा इस बार भाजपा बेहतर प्रदर्शन करने जा रही है। उसे बस्तर, सरगुजा के साथ ही बिलासपुर संभाग में फायदा होने की संभावना जताई जा रही है। दुर्ग और रायपुर संभागों में भी भाजपा पहले के कुछ ठीक-ठीक करती दिख रही है। यही वजह है कि भाजपा के लोग इस बार सरकार बनाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि भाजपा से ज्यादा उत्साह कांग्रेस के नेताओं में है। कई लोग तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मिलकर उन्हें बधाई भी दे रहे हैं।

### कम होंगी कांग्रेस की सीटें?

इधर, भाजपा की चुनावी घेराबंदी के बाद अब कांग्रेस के लोग भी स्वीकार कर रहे हैं कि पार्टी की सीटें पिछली बार की अपेक्षा कम हो सकती है। कांग्रेस ने अबकी बार 75 पार का नारा दिया था। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, पहले चरण में जिन 20 सीटों पर वोटिंग हुई थी, उसमें भाजपा को खासी संभावनाएं नजर आई है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने इन 20 सीटों में से 12 सीटें जीतने की बात भी कही थी। इनमें बस्तर क्षेत्र भी शामिल है, जहां की 12 सीटों पर मतदान हुआ था। विगत चुनाव में भाजपा का यहां से सूपड़ा साफ हो गया था। लेकिन इस बार भाजपा को अपने पैर जमते दिखे हैं। वहीं माना जा रहा है कि एक और आदिवासी बेल्ट सरगुजा में भी इस बार कांग्रेस को नुकसान हो सकता है। यहां भी भाजपा ने चक्रव्यूह रचा था। सरगुजा संभाग में कुल 14 सीटें हैं। पिछले चुनाव में यहां से भी भाजपा का स्कोर सिफर रहा था।

### क्या कहते हैं आंकड़ें

#### 2018 का चुनाव

2018 के विधानसभा चुनाव में 75.3 फीसदी मतदान हुआ था। इस दौरान राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ था। कांग्रेस को 43.9 फीसदी वोट शेयर के साथ 68 सीटों पर जीत मिली थी। वहीं, बीजेपी को 15 सीटें मिली थी।

#### 2013 में सत्ता बरकरार रही

2013 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 75.3 फीसदी वोटिंग हुई थी। तब बीजेपी अपनी सरकार बचाने में कामयाब रही थी। बीजेपी को 2013 के चुनाव में 49 सीटें मिली थीं वहीं, कांग्रेस को 39 सीटें मिली थीं।

#### 2008 में क्या था आंकड़े

2008 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 70.6 फीसदी वोटिंग हुई थी। इस दौरान बीजेपी को 50 और कांग्रेस के खाते में 38 सीटें आई थीं। बीजेपी का वोट शेयर 40 फीसदी था वहीं, कांग्रेस का वोट शेयर 38 फीसदी थी।

#### 2003 में कितने फीसदी हुआ मतदान

2000 में छत्तीसगढ़ के गठन के बाद पहली बार 2003 में विधानसभा के चुनाव हुए थे। तब राज्य में 71.3 फीसदी वोटिंग हुई थी। राज्य में बीजेपी की सरकार बनी थी। बीजेपी के खाते में 50 सीटें आई थीं जबकि कांग्रेस के खाते में 37 सीटें आई थीं।

## खास-खबर

### 'धूम' के निर्देशक संजय गढ़वी का निधन, हार्ट अटैक से हुई मौत

**मुंबई (एजेंसी)।** जाने-माने निर्देशक संजय गढ़वी का निधन हो गया है। उन्होंने आज रविवार, 19 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे आखिरी सांस ली है। उन्होंने 57 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। जानकारी के अनुसार, सुबह लोखंडवाला बैकरोड में जब वह सैर करने के लिए जा रहे थे, तभी अचानक से उनके सीने में दर्द उठा और वह पसीने से भीग गए। इसके बाद आनन-फानन में संजय गढ़वी को नजदीकी सबसे बड़े कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने संजय गढ़वी को मृत घोषित कर दिया।

कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में ही है पार्थिव शरीर

सुपरहिट फिल्म 'धूम' के डायरेक्टर संजय गड़वी के निधन से इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका इस दुनिया से जाना बॉलीवुड के लिए बड़ी क्षति है। मिली जानकारी के मुताबिक संजय गढ़वी को सुबह की सैर के दौरान हार्ट अटैक आया था, जिस जगह पर वह सैर के लिए गए थे, वहां से कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल की दूरी मात्र एक से डेढ़ किलोमीटर ही थी। निर्देशक संजय गढ़वी का पार्थिव शरीर फिलहाल कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल में ही है। बताया जा रहा है कि आज 19 नवंबर की देर शाम तक उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके निधन के बाद कई जानी-मानी हस्तियां सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त कर रही हैं। उनके जाने से फिल्म इंडस्ट्री को गहरा सदमा लगा है। उन्होंने बॉलीवुड को कई शानदार फिल्में दी हैं। वह लोखंडवाला अंधेरी वेस्ट की ग्रीन एकड़ सोसाइटी में ही रहते थे। बीते दिनों ही संजय गढ़वी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद के विवाद पर आधारित फिल्म बनाने की घोषणा की थी।

### सुरंग के अंदर से आई आवाजः मेरा पेट नहीं भर रहा, मुझे जल्दी बाहर निकालो...20 साल के दीपक की टूट रही अब हिम्मत

**उत्तरकाशी (एजेंसी)।** मुजफ्फरपुर बिहार का रहने वाला दीपक कुमार भी सिलक्यारा सुरंग में फंसा है। शनिवार को दीपक के चाचा कृष्णा पटेल सिलक्यारा पहुंचे। पाइपलाइन के जरिए उनकी दीपक से बात करवाई गई। कृष्णा पटेल ने बताया कि दीपक कह रहा है कि उसका पेट नहीं भर रहा, उसे जल्दी बाहर निकालो।

20 वर्षीय दीपक कुमार सिलक्यारा सुरंग में फंसा 41वां श्रमिक है, जिसकी अब तक अंदर फंसे श्रमिकों में गिनती भी नहीं थी। उसके साथियों ने कंपनी प्रबंधन को जानकारी दी कि हादसे के बाद से बूमर मशीन ऑपरेटर दीपक भी लापता है, वह भी सुरंग के अंदर फंसा है।

शुरू में कंपनी प्रबंधन इससे इन्कार करता रहा, लेकिन शुक्रवार को कंपनी प्रबंधन ने जिला प्रशासन को दीपक के सुरंग में फंसे होने की जानकारी दी। वहीं साथियों की सूचना पर दीपक के चाचा कृष्णा पटेल सिलक्यारा पहुंचे।

पाइपलाइन के जरिए दीपक से बात करने के बाद कृषणा बाहर आए तो उनकी डबडबाई आंखें उनके दर्द को साफबयां कर रही थी। कृष्णा ने बताया कि दीपक के पिता उच्च रक्तचाप के कारण यहां नहीं आ सके। दीपक से बात हुई है, उसने कहा कि उसका पेट नहीं भर रहा है। सुरंग के अंदर बस जीने लायक हवा है। कृष्णा ने कहा कि सुरंग में 41 आदमी कैद हैं। एक किलो बादाम में 40 आदमियों का पेट कैसे भरेगा। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द सुरंग में फंसे सभी मजदूरों को बाहर निकालने की अपील की।

## फिर बढ़ी कोरोना की रफ्तार, भारत में बढ़ेगा खतरा?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोरोना से जूझने के बाद अब दुनिया अपने रास्ते पर वापसी कर रही है। वहीं ठंड बढ़ते ही एक बार फिर कोरोना के एक बार फिर बढ़ने का खतरा नजर आ रहा है। बीते कुछ सप्ताह में अमेरिका में कोरोना संक्रमति लोगों के हॉस्पिटलाइज होने के मामले बढ़े हैं। 11 नवंबर तक एक सप्ताह में ही यूएस में 16239 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। इस तरह से कोरोना के मामलों में 8.6 फीसदी की उछाल देखी गई है। सीडीसी के मैप के मुताबिक अमेरिका के 14 प्रांतों में करोना का प्रकोप बढ़ रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के अपर मिडवेस्ट, साउथ अटलांटिक और सदर्न माउंटेन में कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ रही है, कोरोना का संक्रमण भी बढ़ रहा है। सीडीसी ने बताया कि ठंड बढ़ने से संक्रामक बीमारियों के बढ़ने का खतरा बना रहता है। 2020 का एक अध्ययन बताता है कि कोरोना वायरस ठंड में ज्यादा सर्वाइव करता है। ऐसे में ठंड और ड्राइ सीजन भी चुनौती बन जाता है।

अमेरिका में जून के बाद सितंबर तक भी कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। हालांकि अक्टूबर में इसकी रफ्तार थमी हुई थी। अब भी पिछले साल की जनवरी की तुलना में कोरोना के मामले कम हैं। बीते साल जनवरी में 150,600 मरीज सामने आए थे। वहीं जानकारों का कहना है कि जिन इलाकों में ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती नहीं हो रहे हैं, वहां भी कोरोना के मामले बढ़े हैं लेकिन इनका पता नहीं लगाया जा सका है।

## चुनावी ड्यूटी में जा रहे पुलिस के 5 जवानों की मौत, ट्रक में जा घुसी गाड़ी

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान के नागौर जिले में भीषण सड़क हादसे में पुलिस के 5 जवानों की मौत हो गई है। सभी जवानों की पीएम मोदी सभा के लिए वीआईपी ड्यूटी लगी थी। तेज रफ्तार कार की ट्रक से टक्कर के बाद परखच्चे उड़ गए। चुनावी ड्यूटी में अपनी सेवा देने के लिए जवान जा रहे थे। उसी दौरान बीच रास्ते में हादसा हो गया। कणुता गांव के पास हादसा हुआ है। जवानों से भरी पुलिस की गाड़ी और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हुई। एक एएसआई, एक हैड कांस्टेबल सहित 5 सिपाहियों की दर्दनाक मौत हुई है। घायलों को नागौर रेफर कर दिया गया है। सभी जवान खींवसर थाने के बताये जा रहे है। पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए है।

### पहले भी हो चुके हैं हादसे

उल्लेखनीय है कि इससे पहले सितंबर के महीने में नागौर जिले में बड़ा हादसा हुआ था। नागौर जिले के अमरापुर गांव में रविवार को एक निजी बस और ट्रेलर की टक्कर हो गई थी। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं 28 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह सवारियों से भरी बस नागौर से जोधपुर जा रही थी। इसके बावजूद प्रशासन ने हादसों की रोकथाम के लिए पुख्ता कदम नहीं उठाए है।

### पीएम की सभा के लिए लगी थी ड्यूटी

नागौर जिले के खींवसर थाने के जवानों के साथ यह हादसा हुआ है। नागौर से चूरू जिले में प्रवेश के बाद यह हादसा हुआ है। उल्लेखनीय है कि आज चूरू जिले के तारानगर में पीएम मोदी की जनसभा है। चुनावी ड्यूटी के तहत पुलिस के जवानों की गाड़ी चूरू जा रही थी। पीएम मोदी आज शेखावाटी के दौरे पर है। करीब साढ़े 10 बजे तारानगर में सभा को संबोधित करेंगे। यहां कुछ दिन पहले राहुल गांधी भी जनसभा को संबोधित कर चुके हैं। तारानगर से नेता प्रतिपक्ष बीजेपी के राजेंद्र सिंह राठौड़ और कांग्रेस के दिग्गज जाट नेता नरेंद्र बुढ़ानिया के बीच मुकाबला है। बता दें कि चुनावी दौर के बीच अधिकतर कर्मचारी चुनावी रण को सफल बनाने में अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके तहत सैकड़ों कर्मचारी तैयारियों में लगे हुए हैं। ताकि किसी भी प्रकार की चूक ना हो। इस कड़ी में आज ये जवान ड्यूटी पर जा रहे थे। नागौर से चूरू जिले में प्रवेश के बाद कणुता गांव के पास ये हादसा हुआ है। सभी जवान नागौर के खींवसर थाने के बताए जा रहे हैं।

## आस्था का महापर्व छठ पूजा आज, घाट पर व्रती महिलाएं देंगी डूबते सूर्य को अर्घ्य

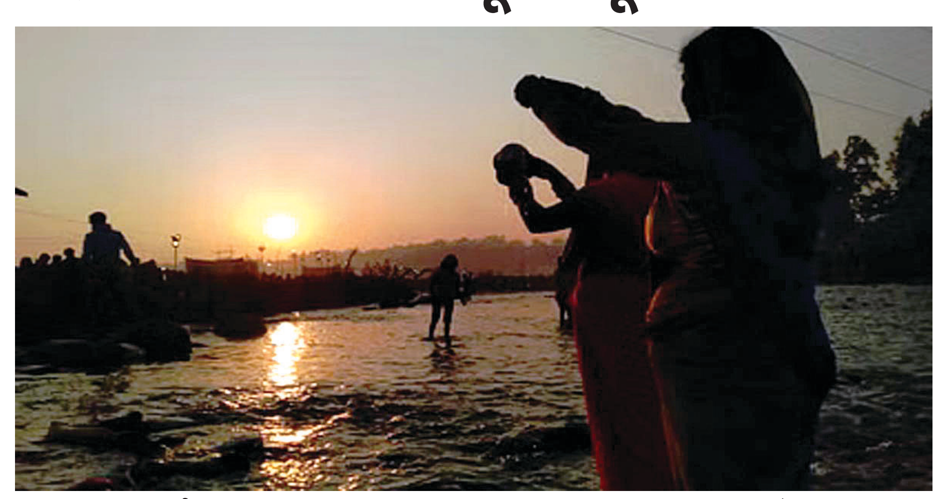

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा आज रविवार को छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत वर्ष में धूमधाम से मनाया जा रहा है। महादेव घाट स्थित खारुन नदी तट पर बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग और और छठ व्रती महिलाएं पहुंचेंगी। रविवार की शाम और सोमवार की सुबह छठ मैया की विधि विधान से पूजा अर्चना की जाएगी। रविवार को शाम 5 बजे डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार सुबह 6 बजे उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पूजा का समापन होगा।

### सांस्कृतिक कार्यक्रम की होगी प्रस्तुति

छठ महापर्व आयोजन समिति महादेव घाट रायपुर सहित भिलाई दुर्ग में भी छठ पर्व को मनाने के लिए भव्य तैयारी की है। आकर्षक साज-सज्जा की गई है। व्रतियों के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। शाम और सुबह को सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसमें सुर संग्राम विजेता आलोक कुमार, हेमा पांडेय (तीनों बहनें), छत्तीसगढ़ी गायक दिलीप षड़ंगी समेत कई कलाकार रंगारंग प्रस्तुति देंगे। इस दौरान इलाहाबाद से अंतर्राष्ट्रीय नृत्य नाटिका कर्मी सोनाली तरुण चौपड़ा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगे।

### छठ महापर्व का आज तीसरा दिन

आज यानी 19 नवंबर को छठ महापर्व का तीसरा दिन है। आज के दिन संध्या अर्घ्य यानी डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। चार दिवसीय छठ पर्व में तीसरा दिन सबसे खास होता है। इस दिन लोग अपने परिवार के साथ घाट पर जाते हैं और कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं। मान्यता है कि जो लोग पूरी श्रद्धा के साथ छठ माता और सूर्य देव की पूजा-अर्चना करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं छठ मैया पूरी करती हैं।

### छठ पूजा 2023 पर संध्या अर्घ्य का समय

छठ पूजा का तीसरा दिन संध्या अर्घ्य का होता है। इस दिन छठ पर्व की मुख्य पूजा की जाती है। इस दिन व्रती घाट पर आते हैं और डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। आज यानी 19 नवंबर को सूर्यास्त शाम 05 बजकर 26 मिनट पर होगा। इस समय लोग सूर्य को अर्घ्य देंगे।

## बढ़ता ही जा रहा खतरनाक कचरे का ढेर

श्रीकंचनपथ

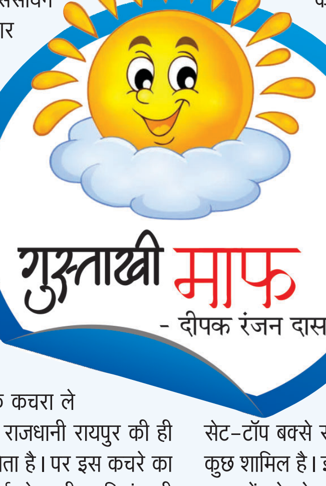


लाइफस्टाइल चेंजेस के कारण एक तरफजहां प्राकृतिक संसाधन भारी दबाव में हैं वहीं खतरनाक कचरे का ढेर भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसमें प्लास्टिक कचरे से लेकर ई-कचरे तक सबकुछ शामिल है। इसमें भी सबसे ज्यादा कचरा पैक्ड खाने के सामान से निकलता है। भोजन के बदले पैटर्न के चलते अब बड़ी संख्या में लोग भोजन आर्डर करने लगे हैं। पुराने मोबाइल फोन्स, पुरानी टीवी, सामान्य से लेकर स्टीरियो साउंड सिस्टम के अलावा भी कई प्रकार के इलेक्ट्रानिक वेस्ट आज हर घर में अलग-अलग रूपों में मौजूद है। जिन सामानों को लोग बड़े शौक से हजारों रुपए खर्च कर खरीद लाए थे, अब उनकी उपयोगिता भले ही न हो, पर उन्हें फेंकते भी नहीं बनता। अभी थोड़े दिन पहले दीपावली सफाई में ऐसा काफी कुछ लोगों ने नगर निगम के कचरा ले जाने वालों को दे दिया जो ई-वेस्ट की श्रेणी में आता है। राजधानी रायपुर की ही बात करें तो यहां प्रतिवर्ष करीब 2500 टन ई-वेस्ट पैदा होता है। पर इस कचरे का केवल 10 प्रतिशत ही रीसाइक्लिंग के लिए पहुंचता है। वहां ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग की व्यवस्था है। अन्य शहरों में तो ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग की कोई व्यवस्था तक नहीं है। लगभग यही हाल पुराने वाहनों का है। लोग इन्हें मैकेनिक के पास छोड़ कर चले जाते हैं। ये गाड़ियां वहीं सड़-गल कर मिट्टी में मिल जाती हैं। पुलिस के डर से इनमें से अधिकांश गाड़ियों को कबाड़ी छूने से भी डरते हैं। कबाड़ के इन पहाड़ों से कीमती धातुओं को अलग किया जा सकता है। प्लास्टिक, रबर और सड़े हुए धातु का इस्तेमाल दीगर कार्यों में किया जा सकता है। हाल ही में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी का एक वीडियो सामने आया था जिसमें वे बता रहे थे कि किस तरह से उन्होंने कबाड़ का उपयोग एक्सप्रेस-वे बनाने में कर दिया और कचरे के ढेर का निपटान भी हो गया। जरूरत न केवल ऐसी तकनीक का अधिकाधिक इस्तेमाल करने की है बल्कि पुलिस और कबाड़ी के संबंधों को भी नए सिरे से परिभाषित करना होगा। जब तक कबाड़ का धंधा हुज्जत और बेइज्जती से जुड़ा रहेगा, रीसाइक्लिंग उद्योग आगे नहीं बढ़ सकता। सबसे बड़ी समस्या ई-वेस्ट कलेक्शन की है। देखने में सुन्दर इन अनुपयोगी वस्तुओं के लेवाल नहीं है। इसलिए ये घरों में जमा पड़े हैं। सफाई के समय इन्हें यूं ही उठाकर बाहर फेंक दिया जाता है। इसमें मोबाइल फोन, स्टीरियो, हेडफोन, वाईफाई, सेट-टॉप बक्से से लेकर टीवी और ऑडियो में इस्तेमाल होने वाले गैजेट्स, सब-कुछ शामिल है। इसके अलावा लोग दवाइयों को लेकर भी संजीदा नहीं है। बची हुई दवाइयों को लोग कहीं भी फेंक देते हैं। ये सभी प्रकृति, पर्यावरण और स्वयं इंसान के लिए खतरनाक हैं। इनका प्रबंधन किया जाना जरूरी है। दरअसल, वक्त का तकाजा है कि वेस्ट रीसाइक्लिंग को देश गंभीरता से ले। बेशक ये प्रक्रिया महंगी है पर उपयोगिता की दृष्टि से भी यह जरूरी है।

हर्ष मीडिया एडवरटाईजर्स के
बढ़ते कदम....

LED SCREEN
के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए
संपर्क करे
शॉप-12, प्रेस परिसर, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
शहीद भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

अब राजधानी रायपुर सहित
पूरे प्रदेश में....

- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- जयस्तंभ चौक, सिन्धु सदन, किरण होटल, रायपुर, जिला-रायपुर
- संदेश बन्धु बिल्डिंग परिसर, वीआईपी चौक मोड, वार्ड क्रमांक-51, तेलीबांधा, रायपुर, जिला-रायपुर
- पचपेड़ी नाका चौक, रायपुर, जिला-रायपुर
- मिलन स्वीट्स, रेलवे स्टेशन चौक, रायपुर
- नेशनल हाईवे-53, पावर हाउस रेलवे स्टेशन, भिलाई, जिला-दुर्ग
- पाटन पुल,उतई (मा. मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र), जिला-दुर्ग
- आकाशगंगा चौपाटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
- सिरसा गेट चौक, भिलाई-3, जिला दुर्ग
- अग्रसेन चौक, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, टिकट काउंटर के सामने, गेट नं.-03, बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नं.-01, गेट नं.-04, बिलासपुर
- पड़ाव चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली
- दाऊपारा चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली

Harsh Media Advertisers

Contact_-
9303289950
9131425618
9827806026

## संपादकीय

### यात्रीगण ध्यान दें

अगले तीन-चार वर्षों में हर यात्री को कन्फर्म टिकट देने की योजना को लेकर अगर रेलवे सचमुच गंभीर है तो यह अच्छी बात है। रेल मंत्री की ओर से मीडिया को दी गई सूचनाओं के मुताबिक न केवल देश की तमाम कोच फैक्ट्रियों में दिन-रात काम किया जा रहा है बल्कि ट्रेन की स्पीड बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब पर्व-त्योहारों के कारण रेलगाड़ियां ठसाठस भरी हुई हैं और लोग अमानवीय हालात में यात्रा करने को मजबूर हैं। और, यह कोई नई या अनोखी बात नहीं। गर्मी की छुट्टियों या त्योहारों के आसपास ऐसे दृश्य अक्सर दिख जाते हैं। साफहै कि ट्रेन आज भी अपने देश में आम लोगों की यात्रा का सबसे सरल और सहज साधन है। ऐसे में रेलवे को सबके लिए सुलभ, आसान और सुविधाजनक बनाना एक ऐसा लक्ष्य है, जो हर सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। मगर सचाई यह है कि प्राय: सभी सरकारें इसे चलताऊ ढंग से लेती रही हैं। ऐसे में जब रेलवे की ओर से इतने बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए काम करने की बात आई है तो इसका स्वागत करते हुए भी यह नहीं भुलाया जा सकता कि यह बेहद कठिन है। इसके लिए न केवल ट्रेनों की संख्या में भारी इजाफा करना होगा बल्कि रेल पटरियों का भी अप्रत्याशित तेजी से विस्तार करना होगा। हालांकि रेलवे की इस योजना पर एक गौर करने से यह जरूर साफ होता है कि इसमें मौजूदा स्थिति और टारगेट के बीच के अंतर पर अच्छी तरह से विचार किया गया है। ऐसे में सवाल सिर्फ यह है कि इस अंतर को भरने की दिशा में पर्याप्त तेजी दिखाई जा सकेगी या नहीं। यानी अगर तय लक्ष्य तक चार साल में पहुंचना है तो इस बीच हर साल 4000-5000 किलोमीटर की नई पटरियां बिछाई जा सकेंगी या नहीं। ट्रेनों की संख्या के मामले में यह हिसाब ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आता है। चार साल में 3000 नई ट्रेनें शुरू करने का मतलब है रोज दो नई ट्रेनें शुरू करनी होंगी। देखना होगा कि यह सिलसिला कितनी जल्दी शुरू होता है और कब तक चलता है। ऐसे ही रेलवे ने हिसाब लगाया है कि इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए गाड़ियों की रफ्तार में भी इजाफा करना होगा ताकि सफर का वक्त बचे। गाड़ियों के ठहरने और गति पकड़ने का टाइम पुल और पुश टेक्नॉलजी के जरिए बचाया जा सकता है और कहते हैं कि उस पर काम भी हो रहा है। मगर दो दिन पहले आई एक रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल देश में ट्रेनों की औसत गति बढ़ने के बजाय पांच किलोमीटर प्रति घंटा कम हो गई। ऐसे में यही उम्मीद की जा सकती है कि रेलवे की यह नई योजना चुनावी सब्जबाग का हिस्सा न हो, इसे ठोस रूप में अमली जामा पहनाया जाए।

> “ देखना होगा कि यह सिलसिला कितनी जल्दी शुरू होता है और कब तक चलता है। ऐसे ही रेलवे ने हिसाब लगाया है कि इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए गाड़ियों की रफ्तार में भी इजाफा करना होगा ताकि सफर का वक्त बचे। गाड़ियों के ठहरने और गति पकड़ने का टाइम पुल और पुश टेक्नॉलजी के जरिए बचाया जा सकता है और कहते हैं कि उस पर काम भी हो रहा है।

## आत्म-हानि की प्रवृत्ति

प्रदूषित शहरों की विश्व सूची में भारतीय शहर आज सबसे ऊपर आते हैं, तो यह कोई संयोग नहीं है। यह इस देश का अपना चयन है। जाहिर है, ऐसा भारतवासियों की सेहत- और यहां तक कि उनकी जान के लिए खतरा बढ़ाने की कीमत पर किया गया है।

खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति एक दिमागी बीमारी है। कोई व्यक्ति ऐसी बीमारी से पीड़ित हो जाए, तो उसे मनोचिकित्सक के पास ले जाना पड़ता है। लेकिन अगर किसी समाज पर ऐसी सामूहिक प्रवृत्ति हावी हो जाए, तो उसका क्या इलाज है, यह समझना कठिन हो जाता है। यह मसला इसलिए अहम है, क्योंकि फिलहाल हमें भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से में ऐसी प्रवृत्ति बढ़ने के संकेत देखने को मिल रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो इस समय राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों के लोगों को जहरीली हवा में सांस नहीं लेना पड़ता। प्रदूषित हवा झेल रहे इस क्षेत्र के लोगों पर प्रकृति ने दिवाली से ठीक पहले रहम दिखाई। अचानक हुई बारिश ने वातावरण को स्वच्छ कर दिया। अगर समाज का विवेक कायम होता, तो लोगों की स्वाभाविक प्राथमिकता इस वातावरण की रक्षा करनी होती। लेकिन दिवाली को जिस सुनियोजित ढंग से वातावरण को फिर से जहरीला बनाया गया, अब वह बहुचर्चित कहानी है। लेकिन बात सिर्फ यहीं तक नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने के आरंभ में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने राज्यों के बिजली मंत्रियों की एक बैठक आयोजित की। उसमें मुख्य रूप से नए कोयला संचालित बिजली संयंत्रों की स्थापना पर विचार किया गया। उसी रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा दशक भर बाद देखने को मिला है। जिस समय दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन की गति धीमी करने के लिए जीवाश्म ऊर्जा का उपयोग घटाने और अक्षय ऊर्जा पर जोर देने का रुझान है, स्पष्टत: भारत उसके उलटी दिशा में जा रहा है। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने जिस बेपरवाह रुख के साथ पर्यावरण संबंधी नियम-कानूनों में ढील दी है और उन पर अमल की निगरानी व्यवस्था को कमजोर किया है, उसका उल्लेख भी इस सिलसिले में किया जा सकता है। दरअसल, प्रदूषित शहरों की विश्व सूची में भारतीय शहर आज सबसे ऊपर आते हैं, तो यह कोई संयोग नहीं है। यह इस देश का अपना चयन है। जाहिर है, ऐसा भारतवासियों की सेहत- और यहां तक कि उनकी जान के लिए खतरा बढ़ाने की कीमत पर किया गया है।

## दिल्ली में पुरानी कांग्रेस का नवजीवन

राजधानी दिल्ली में लगातार 15 साल राज करने के बाद कांग्रेस ऐसे खत्म हुई कि पिछले 10 साल से उसकी चर्चा ही बंद हो गई थी। लेकिन अब एक बार फिर प्रदेश कांग्रेस नए सिरे से लड़ने की तैयारी कर रही है। 15 साल मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित के बेहद करीबी रहे अरविंदर सिंह लवली को अध्यक्ष बनाए जाने के बाद कांग्रेस के पुराने नेता एकजुट हो रहे हैं। कुछ दिन पहले इन नेताओं ने अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल का विरोध किया था अब फिर इन नेताओं ने दिल्ली में प्रदूषण को लेकर एक बैठक की है और है केंद्र के साथ साथ राज्य सरकार पर भी निशाना साधा है। इस बैठक में शीला दीक्षित की सरकार में मंत्री रहे लगभग सारे नेता शामिल हुए। तभी इसे दिवंगत शीला दीक्षित की शैडो कैबिनेट का नाम दिया जा रहा है।

दिल्ली के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष लवली की अध्यक्षता में हुई बैठक में किरण वालिया, हारून यूसुफ, मंगतराम सिंघल, राजकुमार चौहान, रमाकांत गोस्वामी आदि शामिल हुए। असल में कांग्रेस को लग रहा है कि उसका पुराना वोट वापस लौट सकता है। ध्यान रहे कांग्रेस भी केजरीवाल की तरह मुफ्त की चीजें बांटने की राजनीति कर रही है। इसलिए वह भी दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी आदि की घोषणा कर सकती है। इससे प्रवासी वोट वापस लौट सकता है तो कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद मुस्लिम मतदाताओं का रूझान भी पार्टी की ओर बढ़ा है, जिससे कांग्रेस को मुस्लिम वोट लौटने की भी उम्मीद है। इस उम्मीद के बीच कांग्रेस रणनीति को लेकर दुविधा में है। कुछ नेता चाहते हैं कि आप से तालमेल न हो लेकिन कई नेता चाहते हैं कि जिस तरह से दिसंबर 2013 में कांग्रेस के समर्थन करने से आप को फायदा हुआ था और कांग्रेस का वोट उसके साथ चला गया था उसी तरह 2024 में आप के साथ मिल कर लड़ने से कांग्रेस के वोट की वापसी शुरू हो सकती है।

> “ यासीन और उसके दोस्त अपने परिवारों और रिश्तेदारों के लिए भोजन मांगने के लिए मिस्र के सैन्य शिविरों में जाते थे। बाद में गाज़ा के रेस्टोरेंट में भी काम किया। साल 1952 की गर्मियों में, सोलह वर्षीय यासीन की गर्दन की हड्डी समुद्र के किनारे कुछ दोस्तों के साथ खेलते समय टूट गई, जिसके परिणामस्वरूप उनके अंग पूरी तरह से निष्क्रिय हो गए। विकलांगता के बावजूद उन्होंने स्नातक तक की पढ़ाई की।

# मिली गाजा को सजा कौन करेगा अब राज

पुष्परंजन

अहमद इस्माइल यासीन का जन्म जून 1936 में अल-मजदल के पास अल-जुरा गांव में हुआ था। उनके तीन बेटे और आठ बेटियां थीं। जब वह पांच वर्ष के थे तब उनके पिता की मृत्यु हो गई। उनका पालन-पोषण उनकी मां सादा अब्दुल्ला अल-हबील ने किया। उन्होंने पांचवीं कक्षा तक अल-जुरा प्राइमरी स्कूल में शिक्षा प्राप्त की, लेकिन 1948 में फिलिस्तीन में नकबा (पलायन) के बाद उन्हें अपने परिवार के साथ गाजा पट्टी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अहमद इस्माइल यासीन के परिवार को उसी गुरबत और अभाव का सामना करना पड़ा,जिससे दूसरे शरणार्थी गुजरते रहे।

यासीन और उसके दोस्त अपने परिवारों और रिश्तेदारों के लिए भोजन मांगने के लिए मिस्र के सैन्य शिविरों में जाते थे। बाद में गाजा के रेस्टोरेंट में भी काम किया। साल 1952 की गर्मियों में, सोलह वर्षीय यासीन की गर्दन की हड्डी समुद्र के किनारे कुछ दोस्तों के साथ खेलते समय टूट गई, जिसके परिणामस्वरूप उनके अंग पूरी तरह से निष्क्रिय हो गए। विकलांगता के बावजूद उन्होंने स्नातक तक की पढ़ाई की। वर्ष 1964 में उन्होंने गाजा में पढ़ाते हुए अंग्रेजी का अध्ययन करने के लिए काहिरा के ऐन शम्स विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। हालांकि, 1965 में मुस्लिम ब्रदरहुड समर्थकों की गिरफ्तारी ने उन्हें परीक्षा में बैठने के लिए मिस्र जाने से रोक दिया। यासीन को यूएनआरडब्ल्यूए स्कूलों में अरबी और इस्लामी शिक्षा पढ़ाने की नौकरी मिल गई। उनके शिक्षण से वेतन का अधिकांश हिस्सा उनके परिवार की मदद में चला जाता था। इस्माइल यासीन ने गाजा की मस्जिदों में कुछ समय उपदेशक के रूप में भी काम किया। इस्माइल यासीन मौलवी हो चुके थे। उन दिनों मोहम्मद यासीन वेस्ट बैंक और गाजा में उपदेश दिया करते थे। इस्राइल ने 1967 में छह दिवसीय युद्ध के बाद वेस्ट बैंक, गाजा और पूर्वी यरुशलम के इलाकों पर कब्जा कर लिया था। इस कब्जे के खिलाफ फिलिस्तीनी विद्रोह (प्रथम इंतिफादा) को वहां के लोगों ने देखा। दो दशक बाद, मौलवी यासीन ने दिसंबर 1987 में गाजा में ब्रदरहुड की राजनीतिक शाखा के रूप में हमास (हरकत अल-मुकावामा अल-इस्लामिया) की स्थापना की। उस समय हमास का उद्देश्य फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) का मुकाबला करना भर था। यासीन हमास के आध्यात्मिक गुरु स्वीकार किये गये। फिर 19 मई 1989 को इस्राइलियों ने हमास के सैकड़ों सदस्यों समेत उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक इस्राइली सैन्य अदालत ने यासीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इजेद्दीन अल-कसम ब्रिगेड (हमास की सैन्य शाखा) की एक गुरिल्ला इकाई ने यासीन को जेल से बाहर निकालने का प्रयास किया। तेरह दिसंबर 1992 को निसिम टोलेडानो नामक एक इस्राइली पुलिसकर्मी का अपहरण कर लिया और इस्राइलियों के एक्सचेंज के तहत अक्टूबर 1997 में अंतत: यासीन रिहा कर दिये गये। यासीन तब बीमार थे। अम्मान अस्पताल से कुछ दिनों इलाज के बाद वह गाज़ा लौट आए, जहां उनके और यासिर अराफात के नेतृत्व वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण के बीच तनाव बढ़ने लगा।

सितंबर 2000 के अंत में दूसरे फिलिस्तीनी इंतिफादा के फैलने के बाद, इस्राइली कब्जे वाले अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से हमास के उन नेताओं की व्यवस्थित रूप से हत्या करने का फैसला किया, जिन्होंने उस विद्रोह में सक्रिय रूप से भाग लिया था। छह सितंबर 2003 की बात है, जब यासीन को गाजा में एक अपार्टमेंट में रहते निशाना बनाया था। वह अपने छात्र और साथी इस्माइल हानिया के साथ मौजूद थे। तब वो बच गये, मगर 22 मार्च 2004 को एक इस्राइली अपाचे हेलीकॉप्टर ने उन पर तीन मिसाइलें दागीं, जब वह गाजा पट्टी के सबरा क्वार्टर में एक इस्लामिक सेंटर मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। इस हमले में यासीन व उनके सात साथी मारे गए। हमले में उनके दो बेटे भी घायल हो गए। शेख यासीन की जगह, इस्माइल हानिया ने हमास की कमान संभाली। लेकिन इस बीच इस्माइल अबू शानाब, डॉ. अब्दुल अजीज रनतिसी जैसे हमास के दिग्गज़ नेताओं को भी इस्राइली फोर्स ने अलग-अलग हमलों में मार डाला। अमेरिका की तरह ही दूसरे देश भी मानते हैं कि हमास के भीतर कई गुट हैं। सात अक्टूबर का ऑपरेशन इस तथ्य को स्पष्ट रूप से प्रमाणित भी करता है। क्योंकि हमास और उसके लेबनानी-ईरानी सहयोगी हिजबुल्ला संगठन के नेतृत्व ने यह कहा भी है कि वह योजना रहस्यमय थी, जिसे आंदोलन के अधिकांश नेताओं को पहले से जानकारी दिए बिना अंजाम दिया गया था। हिज्बुल्लाह के हवाले से कई पश्चिमी देशों ने हमास की राजनीतिक और सैन्य शाखाओं के बीच अंतर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया है। हिज़्बुल्ला की तरह हमास के भी कई नेता मिडल ईस्ट और पश्चिमी देशों में शरणागत हैं।

### ओस्लो समझौता क्या ठंडे बस्ते में?

साल 1988 में हमास ने अपना चार्टर प्रकाशित किया था, जिसमें इस्राइल के विनाश और फिलिस्तीन में एक इस्लामी समाज की स्थापना का संकल्प लिया गया। हमास को जो लोग नियंत्रित कर रहे थे, उन्हें इस्राइल का अस्तित्व स्वीकार्य नहीं था, लेकिन फिलिस्तीनी लिबरेशन आर्गेनाइजेशन के जो लोग समझौते का रास्ता निकालना चाहते थे, उनसे बातचीत नॉर्वेजियन समाजशास्त्री टेर्जे लार्सन और 1992 में सत्ता में आई इस्राइल की लेबर पार्टी सरकार के सदस्य योसी बेइलिन द्वारा शुरू की गई थी। कई स्तर पर मेल-मुलाक़ात व संवाद के बाद, राष्ट्रपति विलियम जे. क्लिंटन ने 13 सितंबर 1993 को वाशिंगटन में एक औपचारिक हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी की, जिसमें इस्राइली प्रधानमंत्री यित्जाक राबिन और पीएलओ अध्यक्ष यासिर अराफात ने हाथ मिलाया।

ओस्लो समझौता इस्राइल-फिलिस्तीनी संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था, जिसका उद्देश्य शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाना और वेस्ट बैंक के अधिकांश हिस्सों में फिलिस्तीनी स्व-शासन के विस्तार को अवसर प्रदान करना था। इस ऐतिहासिक समझौते की बिना पर फिलिस्तीनी प्राधिकरण (पीए) नामक एक नव निर्मित इकाई के तहत वेस्ट बैंक और गाज़ा के कुछ हिस्सों के लिए सीमित स्व-शासन की स्थापना की। हमास ने ओस्लो समझौते की निंदा की, शेख अहमद यासीन ने स्पष्ट कर दिया कि हम इसे नहीं मानने वाले। अब न तो शेख़ यासीन हैं, न ही उस तेवर के नेता, जो अपनी जमीन पर रहकर इस्राइल से लड़ते रहे। हमास की वर्तमान लीडरशिप सुविधाभोगी है, यह स्वीकार करना चाहिए। यूं देखने के वास्ते हमास द्विराष्ट्र सिद्धांत को मानने से मना करता रहा। मगर, हमास का एक धड़ा दो देशों के अस्तित्व को स्वीकार करने से इनकार नहीं कर रहा, फिलिस्तीनी राजदूत अदनान अबू अलहाइजा भी एक बातचीत में इस तथ्य को मानते हैं।

### गाजा पर किसका आधिपत्य?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि गाज़ा अपने अस्तित्व में रहेगा या नहीं? इस्राइली फोर्स जिस तेजी से आगे बढ़ रही, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को बेंजामिन नेतन्याहू जिस तरह से ठेंगे पर रख रहे हैं, उससे साफ लग रहा है कि जीती हुई इस ज़मीन को इस्राइल आने वाले दिनों में छोड़ेगा नहीं। गाज़ा इस्राइल का अभिन्न अंग बन जाएगा, ऐसा तेल अवीव में बैठे विश्लेषक भी मान रहे हैं। नेतन्याहू भले युद्ध अपराधी घोषित कर दिये जाएं, मगर उनकी लीकुड पार्टी गाज़ा की फतह से अपनी जमीन मजबूत करेगी, इस बात से इनकार नहीं कर सकते। सांप्रदायिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो ईरान के शिया नेतृत्व से मदद लेना भी हमास लीडरशिप की सबसे बड़ी गलती रही है। गाज़ा की इस लड़ाई में ईरान ने अपना उल्लू सीधा कर मध्य-पूर्व रुसूख़ बढ़ाया है, इस बात को हमास के वे नेता शायद देर से समझ पायें, जो पूरी तरह अयातुल्ला ख़ामेनई पर भरोसा करते रहे। मगर वही बात, सबकुछ लुटा के होश में आये तो क्या किया?

# तेलंगाना में कांग्रेस की उम्मीद

हरिशंकर व्यास

राहुल गांधी को जब राजस्थान में कड़ा मुकाबला दिखा था तब भी वे तेलंगाना में सरकार बनने को लेकर पूरी आश्वस्त थे। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सरकार बना रही है। हालांकि पिछले दो चुनावों में कांग्रेस ने वहां अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। आंध्र प्रदेश से अलग नया राज्य बनवाने के बावजूद 2014 के चुनाव में कांग्रेस को राज्य की 119 में सिर्फ 21 सीटें मिली थीं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस की सीटें घट कर 19 रह गईं। चुनाव से पहले ऐसा लग रहा था कि तेलंगाना में मुकाबला एकतरफा है और एक बार फिर चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति ही चुनाव जीतेगी। लेकिन मई में कर्नाटक में कांग्रेस को मिली बड़ी जीत के बाद सब कुछ बदल गया। कर्नाटक में मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस को एकमुश्त वोट किया। इसके बाद ही तेलंगाना का माहौल बदला।

कर्नाटक के चुनाव से पहले भाजपा राज्य में बहुत सक्रिय थी लेकिन कर्नाटक के बाद अचानक वह शिथिल पड़ गई, जिससे यह प्रचार हुआ कि कांग्रेस को रोकने के लिए भाजपा ने चंद्रशेखर राव की पार्टी को रणनीतिक समर्थन दे दिया है। इससे भी मुस्लिम मतदाताओं का रूझान कांग्रेस की ओर बना। राज्य के रेड्डी मतदाता पारंपरिक रूप से कांग्रेस के साथ हैं। ऊपर से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतारे और कांग्रेस को समर्थन दे दिया। भाजपा अब भी लड़ रही है लेकिन वह बहुत पीछे छूट गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी 119 में से सिर्फ नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस वजह से मुकाबला बीआरएस बनाम कांग्रेस है।

कर्नाटक की जीत से उत्साहित कांग्रेस नेताओं ने तेलंगाना में पूरी ताकत लगाई है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने खूब मेहनत की है। कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे की बनाई कांग्रेस कार्य समिति की पहली बैठक हैदराबाद में की और उसके बाद एक बड़ी रैली की। उसके बाद से कांग्रेस के बड़े नेता लगातार वहां डटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के आर्किटेक्ट रहे डीके शिवकुमार को वहां चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। के चंद्रशेखर राव की सरकार के खिलाफ 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी भी एक फैक्टर है। सो, हालात की अनुकूलता, नेताओं की मेहनत, सामाजिक समीकरण और संसाधनों की वजह से कांग्रेस कड़ी टक्कर दे रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुकाबले तेलंगाना का मामला अलग है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दांव पर है तो मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस पिछली बार जीती थी। लेकिन तेलंगाना में कांग्रेस को सिर्फ 19 सीटें मिली थीं और उसमें से भी ज्यादातर विधायक बाद में पाला बदल कर बीआरएस के साथ चले गए थे। इसलिए वहां कांग्रेस का कुछ भी दांव पर नहीं है। इसलिए वहां उसका ताकतवर होना या जीत 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले की बड़ी बात होगी।

# गणेश ने इस तरह तोड़ा कुबेर का अहंकार

धन का देवता और लंका का राजा बनने के बाद कुबेर का वर्चस्व बहुत बढ़ गया था। ऐश्वर्य, घमंड का जनक है। कुबेर को अहंकार हो गया कि वह अपार धन-संपदा से किसी को भी संतुष्ट कर सकता है। एक बार वह कैलाश पहुंचा और शिव-पार्वती को आतिथ्य स्वीकार करने का निमंत्रण दे डाला। शिव-पार्वती समझ गए कि कुबेर वैभव का प्रदर्शन करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हमें कुछ आवश्यक कार्य है, तुम चाहो तो हमारे पुत्र गणेश को अतिथि बना लो।

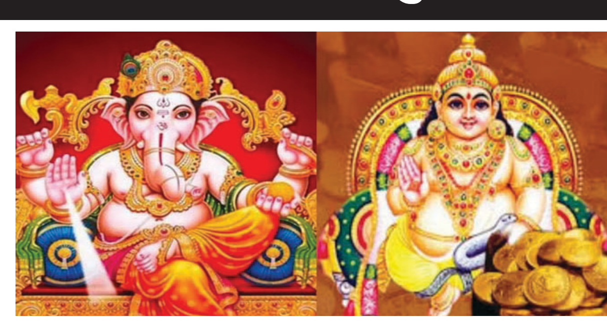

कुबेर सहमत हो गया। वह गणेश को साथ लेकर अपनी स्वर्ण-नगरी लंका पहुंचा। उसने गणेश को अनेक तरह की स्वर्ण-निर्मित अद्भुत वस्तुएं दिखाईं। स्वर्ण देख-देखकर गणेश ऊब गए। उन्हें भूख लगी। भूख लगने पर व्यक्ति को स्वर्ण नहीं, भोजन चाहिए!

कुबेर ने गणेश के लिए आसन लगवा दिया। सेवक, गणेश के लिए थाल में भोजन ले आए। इधर सेवक ने गणेश के सामने भोजन से भरा थाल रखा, उधर गणपति ने थाल खाली कर दिया और कहा, 'इतने-से भोजन से क्या होगा? मुझे भूख लगी है। और भोजन लाओ! सेवक इस बार बड़े थाल में दोगुना भोजन लेकर लौटा। गणेश उसे खाकर सेवक की ओर देखने लगे। सेवक और भोजन लाया...और फिर बस, लाता ही चला गया! कुबेर ने गणेश को समझाया- 'वत्स, अधिक खाने से पेट खराब हो जाता है। तुम्हें और नहीं खाना चाहिए।

गणेश ने कटाक्ष किया- 'कहीं ऐसा तो नहीं कि धन के देवता के पास बालक को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं है?' अहंकार पर चोट पड़ी तो कुबेर ने कहा, 'कुबेर, पूरे संसार का पेट भर सकता है! खाओ...मैं भी देखता हूं, तुम कितना खा सकते हो! गणेश मुसकराए और खाने बैठ गए। कुबेर के सेवक भोजन पकाते-परोसते थक गए, लेकिन गणेश तृप्त नहीं हुए। सैकड़ों लोगों का भोजन गणेश अकेले चट कर गए। कुबेर का अन्न-भंडार खाली होने लगा तो उसे लगा कि दाल में कुछ काला है! उसने संकोचपूर्वक गणेश से पूछा, 'मेरा भंडार रिक्त हो चला है। अब क्या खिलाऊं?'

गणेश ने कुबेर के स्वर्णासन को देखकर कहा, 'भोजन नहीं है तो क्या? आपके पास स्वर्ण तो बहुत है! मैं जब से आया हूं, तब से आप मुझे स्वर्ण ही तो दिखा रहे हैं। अब मैं उसी से पेट भरूंगा।' गणेश ने कुबेर के सिंहासन का पाया चबा लिया। सिंहासन लड़खड़ाया और एक ओर लुढ़क गया। कुबेर ने हाथ जोड़ लिए। परंतु इतनी देर में गणेश ने और कई चीजें चबा डाली थीं। कुबेर के हाथ-पैर ठंडे पड़ गए। वह कैलाश भागा और शिव-पार्वती के सामने गिड़गिड़ाते हुए बोला, 'गणेश ने मेरा अन्न-भंडार खाली कर दिया है लेकिन उसकी भूख शांत नहीं हुई। अब वह महल की स्वर्ण-निर्मित अनमोल वस्तुएं चबा रहा है। मैं समझ चुका हूं कि आपने और गणेश ने मेरा अहंकार दूर करने के लिए यह लीला रची थी। मैं लज्जित हूं।'

तब पार्वती ने कुबेर को एक मुट्ठी चावल दिए और कहा, 'गणेश को अहंकार पसंद नहीं है। यह चावल विनम्रता से गणेश को परोस देना। उसकी भूख शांत हो जाएगी। कुबेर चावल लेकर लंका पहुंचा। तब तक गणेश बहुत-सा और सामान खा चुके थे। उसने तुरंत चावल पकाए और आदर सहित गणेश को अर्पित कर दिए। चावल खाते ही गणेश ने जोर-से डकार ली और उठकर खड़े हो गए। 'वाह! अब तृप्ति हुई है! गणेश ने कहा, 'मेरा पेट भर गया, धनराज कुबेर। अब आप मुझे वापस मेरे माता-पिता के पास ले चलिए।' 'किंतु...मेरा सिंहासन...और अनमोल वस्तुएं...' कुबेर ने संकोच करते हुए कहा। 'हा! हा!!' गणेश ने ठहाका लगाया। 'इनकी चिंता मत कीजिए। वैसे भी मुझे अहंकार से बना भोजन पचता नहीं है!' यह सुनकर कुबेर पानी-पानी हो गया। कुबेर, बालक गणेश को कैलाश छोड़कर लौटा तो उसे सब सामान एवं अपना सिंहासन सही-सलामत मिल गया। और, साथ ही एक सबक भी!

# वर्ल्ड कप 1983: किसी बड़े संघर्ष से कम नहीं था उन दिनों क्रिकेट वर्ल्ड कप को देखना

बैंक नोट प्रेस, देवास से रिटायर हुए जयंती प्रसाद आज भी याद करते हैं कि कैसे क्रिकेट वर्ल्ड कप 1983 के मैच वो अपने कम्युनिटी सेंटर में टेलीविजन पर देखा करते थे। वर्ष 1982 में भारत में एशियन गेम्स हुए थे और ब्लैक एंड व्हाइट के अलावा कलर टेलीविजन भी आ चुके थे। हालांकि, टेलीविजन की सुविधा बेहद सीमित लोगों तक थी। जयंती प्रसाद बताते हैं कि अधिकांश लोग रेडियो पर मैच की कमेंट्री सुनकर अपडेट्स लिया करते थे। उस समय क्रिकेट को लेकर फैन्स में वैसा ही जुनून होता था, जैसा इन दिनों है। क्रिकेट प्रेमी कहीं ना कहीं से मैच के हाल जानने के जुगाड़ ढूंढ लेते थे।

दरअसल, 1975 और 1979 में क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था, लेकिन क्रिकेट को लेकर देश में माहौल जरूर बन गया था। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को 1983 की टीम से ज्यादा उम्मीद नहीं थी कि भारत कोई बड़ा करिश्मा करेगा, लेकिन मैचों पर उनकी नजर बनी रहती थी।

उस दौर में बीबीसी मैचों का प्रसारण किया करता था और भारत में दूरदर्शन पर मैच देखे जाते थे। जयंती प्रसाद बताते हैं कि कपिल देव, सुनील गावस्कर, चेतन चौहान, महेंद्र अमरनाथ, मदनलाल जैसे खिलाड़ियों को लेकर लोगों में काफी क्रेज हुआ करता था। कप्तान कपिल देव को भारतीय क्रिकेट प्रेमी खेलते हुए देखना चाहते थे।

1983 के वर्ल्ड कप में सबसे धुरंधर टीमों में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की गिनती होती थी। भारत की स्थिति कुछ वैसी ही थी, जैसी इन दिनों बांग्लादेश और अफगानिस्तान की है। भारत टेस्ट प्लेइंग देश था और यहां तेजी से क्रिकेट बढ़ रहा था। डिफेंस अकाउंट्स सर्विस से रिटायर हुए अनिल शर्मा बताते हैं कि उनके घर पर ब्लैक एंड व्हाइट टीवी आ चुका था। वो, उनके बड़े भाई के अलावा मोहल्ले के कई लोग भी मैच देखने के लिए घर पर जमा हो जाते थे।

उस दौर में ब्लैक एंड व्हाइट टीवी देखना भी किसी संघर्ष से कम नहीं था, क्योंकि ऊंचे-ऊंचे एंटीना लगे होते थे और बीच-बीच में एंटीना हिल गया तो मैच का प्रसारण कट जाता था। एक व्यक्ति एंटीना सही करने के लिए छत पर खड़ा रहता था।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

# श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

## खास खबर

### राज्यपाल ने छठ पर्व की दी शुभकामनाएं

**रायपुर।** राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने छठ पूजा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि सूर्य उपासना का यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति प्रेम का भी संदेश देता है। उन्होंने कामना की है कि छठ महापर्व प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाए।

### विस् अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने छठ महापर्व की दी बधाई, शुभकामनाएं

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने उत्तर भारतीय और भोजपुरी समाज सहित समस्त प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने सभी लोगों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की मंगल कामना की है। विस् अध्यक्ष डॉ. महंत ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि छठ पूजा सूर्य और छठी मइया की उपासना का पर्व है। इस पर्व में माताओं और बहनों द्वारा कठिन तपस्या कर परिवार की बेहतरी और सुख-समृद्धि के लिए नदी, तालाब के किनारे सूर्य को अर्ध्य देकर मंगल कामना की जाती है। भारत के विभिन्न प्रदेशों के समान छत्तीसगढ़ में भी बड़ी संख्या में लोग छठ पूजा करते हैं। डॉ. महंत ने कहा कि लोगों की धार्मिक आस्था और भावना का सम्मान करते हुए बिहार के बाद छत्तीसगढ़ में छठ पूजा के दिन सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। डॉ. महंत ने कहा कि सूर्य जीवन ऊर्जा का स्रोत और आधार है। छठ पूजा सूर्य देव के प्रति कृतज्ञता और आभार प्रकट करने का पर्व हैं। यह पर्व भाईचारा, सामुदायिक सौहार्द लाने के साथ-साथ लोगों को प्रकृति के करीब लाता है।

### मानिकपुर कालोनी में पाइप लाइन बदलने का काम शुरू

**कोरबा।** एसईसीएल मानिकपुर कालोनी में काफी लंबे समय से पेयजल की समस्या रही है। कई स्थानों पर पाइप लाइन फटे होने की वजह से पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता था। एसईकेएमसी के द्वारा इस मामले को कई बार उठाया गया। लगातार दबाव के चलते प्रबंधन को आखिरकार पाइप लाइन बदलने के लिए विवश होना पड़ा। एसईकेएमसी के प्रमोद बनर्जी ने बताया कि कालोनी में पाइप लाइन बदलने का काम शुरू कर दिया गया है। जिसको लेकर कामगारों में काफी हर्ष है।

### एसईकेएमसी में नए चेहरों को मिलेगा मौका

**कोरबा।** एसईकेएमसी गेवरा में संगठन का विस्तार करने की तैयारी की जा रही है। सदस्य संख्या लगातार बढने से कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। नए चेहरों को संगठन में लिया जाएगा। गेवरा प्रोजेक्ट में छंदराम राठौर व जीवराखन चंद्रा के हाथ को मजबूत करने के लिए नई सूची बनाने के लिए कहा गया है। इसी तरह सीजीएम इकाई में हरनाम सिंह व दिलीप सिंह को मौका दिया गया है। यहां पर कार्यकारिणी विस्तार के साथ-साथ सूर्यकांत पाटले को भी मौका देने पर विचार किया जा रहा है। अध्यक्ष गोपाल यादव, महामंत्री डी.के.मिश्रा व कार्यवाहक अध्यक्ष विकास शुक्ला ने नई कार्यकारिणी बनाने के लिए शीघ्र ही एक बैठक बुलवाने वाले हैं।

# जगदलपुर से हवाई सेवा का विंटर शेड्यूल जारीः सप्ताह में सिर्फ बुधवार के दिन नहीं चलेगी फ्लाइट

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में हवाई सेवा का विंटर शेड्यूल जारी हो गया है। अब सप्ताह में बुधवार को छोड़कर सिर्फ 6 दिन ही फ्लाइट चलेगी। इन 6 दिनों में सिर्फ दो दिन ही फ्लाइट जगदलपुर से रायपुर के लिए और पूरे 6 दिनों तक जगदलपुर से हैदराबाद के लिए फ्लाइट उड़ान भरेगी। इस नए विंटर शेड्यूल को इसी सप्ताह से शुरू किया जा रहा है।

दरअसल, जगदलपुर से सिर्फ एक ही अलायंस एयर की फ्लाइट चलती है। जो जगदलपुर को हवाई मार्ग के माध्यम से हैदराबाद और रायपुर को जोड़ती है। सामान्य दिनों में यात्रियों को सप्ताह के सातों दिन इस हवाई सेवा का लाभ मिलता है। ऐसा बताया जा रहा है कि, फिलहाल जगदलपुर से हैदराबाद के लिए यात्रियों की संख्या अच्छी है, लेकिन रायपुर के लिए संख्या में कमी आई है। इसी वजह से सप्ताह में सिर्फ 2 दिन ही रायपुर के लिए फ्लाइट चलाने का निर्णय लिया गया है। एयरपोर्ट प्रबंधक ने कहा कि, यात्रियों के लिए चलने वाली अलायंस एयर की फ्लाइट जहां सप्ताह में 6 दिन चलेगी और बुधवार को इस सेवा पर ब्रेक लगेगा तो वहीं पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों के लिए चलने वाली इंडिगो फ्लाइट का संचालन बुधवार को होगा।

#### जानिए विंटर शेड्यूल

रविवार - हैदराबाद-जगदलपुर, जगदलपुर-हैदराबाद
सोमवार - हैदराबाद-जगदलपुर, जगदलपुर-हैदराबाद
मंगलवार - हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर, रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद
बुधवार - अवकाश
गुरुवार - हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर, रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद
शुक्रवार - हैदराबाद-जगदलपुर, जगदलपुर-हैदराबाद
शनिवार - हैदराबाद-जगदलपुर, जगदलपुर-हैदराबाद

# तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रत्याशियों का भाग्य स्ट्रांग रूम में कैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों का भाग्य स्ट्रांग रूम में कैद हो गया है। कोनी स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में निर्मित स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनें सुरक्षित रखकर रूम को सील कर दिया गया है। कलेक्टर अवनीश शरण व एसपी संतोष सिंह द्वारा चुनाव आयोग के प्रेक्षक, प्रत्याशियों और राजनीतिक दल के पदाधिकारियों की मौजूदगी में सीलिंग की कार्रवाई पूर्ण की गई।

बीएसएफ के जवानों की एक कंपनी दिन रात स्ट्रांग रूम एवं परिसर की सुरक्षा में तैनात की गई है। सीलिंग पूर्ण होने के बाद पूरा परिसर बीएसएफ के आर्म्ड जवानों ने अपने कब्जे में ले लिया है। मतगणना के दिन ही 3 दिसंबर को ये स्ट्रांग रूम खोली जाएगी। परिसर में पहुंचने के लिए तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था चेकिंग रखी गई है। राजनीतिक दल व प्रत्याशी भी स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर सकते है। रिटर्निंग अफसर द्वारा उन्हें फोटोयुक्त पास जारी किया जाएगा। लेकिन ये अपने पास लैपटॉप अथवा वाइफाई युक्त कोई डिवाइसेज नहीं रख पाएंगे। परिसर में हर तरह के गतिविधियों की रिकॉर्डिंग के लिए दर्जनों सीसीटीवी कैमरे फिट किए गए हैं। कुल मिलाकर इतनी तगड़ी सुरक्षा इंतजाम है कि परिंदा भी पर नहीं मार पायेगा। उल्लेखनीय है कि जिले की छह विधानसभा क्षेत्र जैसे कि बिलासपुर, बेलतरा, कोटा, तखतपुर, मस्तुरी और बिल्हा विधानसभा क्षेत्र की मतगणना एक साथ कोनी के इसी इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में होगी। सीलिंग के अवसर पर चुनाव आयोग के प्रेक्षक श्री उदयन मिश्रा, श्री नायली इते, श्री कुमार प्रशांत सहित जिला पंचायत सीईओ अजय अग्रवाल, अपर कलेक्टर व उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव कुमार बनर्जी तथा संबंधित रिटर्निंग अफसर उपस्थित थे।

# स्वीप अभियान के बाद भी 2.25 लाख मतदाताओं ने नहीं डाले वोट

**कोरबा।** क्या ऐसा नहीं लगता कि विधानसभा निर्वाचन 2023 में निर्वाचन आयोग और प्रशासन की बहुत सारी कोशिशों का रंग सही तरीके से नहीं चढ़ सका। कोरबा जिले में 75 प्रतिशत के आसपास हुए मतदान से ऐसा लगना स्वाभाविक है। 2.25 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने इस चुनाव में मतदान नहीं किया है। इनमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। 17 नवंबर को दूसरे चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कराया गया। कोरबा जिले की 4 सीटों पर 51 प्रत्याशी थे। इन्हें चुनने की जिम्मेदारी 9 लाख 14 हजार 081 मतदाताओं की थी। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक का समय निर्धारित किया गया। चुनाव को लेकर उत्साह दिखा जरूर लेकिन वैसा फिर भी जिसकी आशा व्यक्त की जा रही थी। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को हर हाल में मतदान के लिए तैयार करने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए लगातार प्रेरित किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा पिछले कई वर्षों से स्वीप प्लान संचालित किया जा रहा है। सुव्यवस्थित मतदान और निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की मंशा से चलाए जा रहे इस अभियान को स्वीप नाम दिया गया है। यह भारत सरकार के निर्वाचन आयोग की महत्वाकांक्षी योजना में शामिल है जिसे मतदाता साक्षरता के अंतर्गत भी लगातार प्रोत्साहित किया गया। कोरबा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, स्काउट गाइड के साथ-साथ अनेक सरकारी और स्वैच्छिक संगठनों की सेवाएं इस अभियान में ली गई।

# कैश या क्रेडिट-डेबिट कार्ड हुआ पुराना, अब स्कैन का है जमाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। डिजिटल युग में आज सब कुछ बदलता जा रहा है। कुछ समय पहले बाजार जाते समय जेब में खरीददारी के लिए लोग रुपये लेकर चलते थे। कई बार चिल्हर की किल्लत भी होती थी। आज कैश और एटीएम कार्ड के बाद जिंदगी स्कैन पर जा पहुंची है। अब तो युवा घर से निकलते समय पर्स लेकर ही नहीं निकलते। अब पर्स की जगह स्मार्ट फोन ने ले लिया है। स्कैन पर जिंदगी इतनी निर्भर हो गई है कि लोगों की एटीएम पर निर्भरता नहीं रही।

सिर्फ रकम भुगतान करें, वर्ना भुगतना पड़ सकता है : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए एक अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि भुगतान लेने के लिए किसी भी क्यूआर कोड को स्कैन न करें। नहीं तो आपका खाता खाली हो जाएगा। क्यूआर कोड को भुगतान देने के लिए स्कैन किया जाता है, न कि भुगतान लेने के लिए।

अब जमाना बदल गया है। कब क्यू आर कोड का जमाना हो गया है। अब डेबिट और क्रेडिट कार्ड भी बीते जमाने की बात हो जाएगी। पान ठेले से लेकर किराने की दुकान तक स्कैन पर भुगतान होने लगा है। अब कहीं चिल्हर के लिए कोई परेशान होते दिखाई नहीं देता। सैकड़ो से लेकर लाखों की खरीदी अब स्कैनिंग से होने लगे हैं।

50 फीसदी बढ़ा ऑनलाइन ट्रांजेक्शबैंकिंग से जुड़े जानकारों के अनुसार आजकल युवा स्व लेकर बूढ़े तके ऑनलाइन ट्रांजेक्शन से भुगतान कर राहे हैं। 50 से लेकर 60 साल वाले व्यक्ति इस तकनीक को समझने में रूचि ले रहे हैं। जबकि 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग अभी भी नकद लेन-देन में विश्वास करते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से वे इस तकनीक को महत्व नहीं देते। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए कुछ कंपनियां तो बोनस प्वाइंट भी दे रही हैं। धरमपुरा स्थित किराना कारोबारी नारायण नागवानी बताते हैं कि उनके यहां कस्टमर 40 प्रतिशत से अधिक भुगतान ऑनलाइन करते हैं। इससे चिल्लर रखने की समस्या बहुत हद तक खत्म हो गई है।

#### सब कुछ स्कैन पर निर्भर

- कोई भी भुगतान करने से पहले यूटीआई आईडी सत्यापित करें।
- भुगतान करते समय कुछ सुरक्षा नियमों का पालन किया जाना चाहिए।
- यूपीआई पिन केवल भुगतान के लिए आवश्यक है, भुगतान प्राप्त करने के लिए नहीं।
- पैसे भेजने से पहले हमेशा मोबाइल नंबर, नाम और यूपीआई आईडी सत्यापित करें।

# पुष्प पल्लव कॉलोनी में कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** एनटीपीसी क्षेत्र के पुष्प पल्लव कॉलोनी में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया है। कलश यात्रा में क्षेत्र के सैकड़ों मातृशक्ति एवं पुरुषों ने भाग लिया। कलश और भागवत का धर्म ध्वज हाथ में लेकर जयकारे तथा भजन संकीर्तन के साथ कथा स्थल के विशाल पंडाल में वेदी पूजा, प्रतिष्ठा के साथ कथा का शुभारंभ हुआ । कथा वाचक आचार्य राजेंद्र महाराज द्वारा प्रथम दिवस श्रीमद् भागवत महात्म्य कथा अर्थात 6 अध्यायों में भक्ति देवी के दोनों पुत्र ज्ञान और वैराग्य पर भगवत रूपी सत्कर्म कृपा से जरावेस्था से मुक्त होकर किशोर अवस्था की प्राप्ति तथा भगवत कृपा से ही धुंधकारी की प्रेत योनि से मुक्त होकर परमधाम की प्राप्ति की कथा सुनाई गई।

आचार्य राजेंद्र महाराज ने श्रोताओं को बताया की भागवत रूपी सतर्कता केवल पुरुषार्थ के कारण नहीं बल्कि भाग्योदय होने पर ही प्राप्त होता है। यही इस संसार का सर्वश्रेष्ठ सत्कर्म है , जो देव दुर्लभ भी है । 28 वें कलयुग में संपूर्ण प्राणियों के कल्याण के लिए भगवान श्रीकृष्ण ही शब्द रूप में श्रीमद् भागवत में विराजमान हो गए हैं, यह उन्हीं का वांग्मय स्वरूप है। इसी सप्ताह ज्ञान यज्ञ को शुक देव के मुखारविंद से धरती में पहली बार महाराजा परीक्षित ने श्रवण कर आत्मशत किया था और उन्हें परमधाम अर्थात मोक्ष की प्राप्ति हुई थी । भागवत भगवान के अवतारों का इतिहास है तथा हमारे पौराणिक काल एवं वैदिक परंपरा के साथ ही हमारी संस्कृति का संस्मरण है, भागवत की दूरदर्शिता वर्तमान भारत के लिए बहुत ही उपयोगी एवं महत्वपूर्ण शोध है । मनुष्य इसी जन्म में ही अपने भावी जन्म की तैयारी करता है, दुख सुख और क्लेश ,कलह, उसके जन्म और मृत्यु भी कर्मों के ही कारण होता है। इसलिए सभी कर्मों को सत्कर्म बनाते हुए भगवान पर समर्पण कर देना चाहिए। इस अवसर पर धर्मपाल राठौर, कुसुम कन्हैया राठौर, मनोहर नायक , भारत लाल साहू , अशोक कुमार चंद्रा, पीएल पांडे, कुंज बाई, प्रीति अजय राठौर, शीतल सुभाष राठौड़, खुशबू वीरेंद्र राठौड़ सहित बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे। श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन एवं यजमान संतोषी चंद्रपाल राठौर एवं धर्मजीत ने कथा श्रवण के साथ अक्षय पुण्य प्राप्त करने अपील की

## खास खबर...

### गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व 27 को, निकाली गई प्रभातफेरी

**रायपुर (ए)।** गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार को पंच प्यारों की अगुवाई में क्षेत्र व आसपास के जगह पर प्रभातफेरी आरंभ हुई। सिख समाज के प्रथम गुरु गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व 27 नवंबर को है। इससे पहले प्रतिदिन सुबह चार बजे से भजन कीर्तन के बाद स्टेशन रोड गुरुद्वारा से आसपास के इलाकों में प्रभातफेरी निकाली जाएगी।

राजधानी के सभी गुरुद्वारों में अखंड पाठ शुरू हो गया है। सचिव तेजिंदर सिंह होरा ने बताया कि 24 नवंबर को रायपुर स्टेशन रोड से प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन निकाला जाएगा तेलघानी नाका, आमापारा, आश्रम, मोहबा बाजार होते हुए गुरुद्वारा टाटीबंध पहुंचेगा। खालसा स्कूल में 27 नवंबर को श्रीगुरुनानक देव का गुरुपरब मनाया जाएगा।

### ज्ञान पंचमी पर जैन समाज ने की कॉपी-किताब व कलम की पूजा

**रायपुर (ए)।** राजधानी के जैन मंदिरों में शनिवार को ज्ञान पंचमी पर पूजा हुई। इसमें जैन श्रावक-श्राविकाओं ने कॉपी, किताब, कलम और पेंसिल का पूजन किया। मंदिरों में अक्षत से 51 स्वास्तिक बनाए गए। लोगों ने एक दिन का उपवास रखा। विवेकानंद नगर के श्रीज्ञानवल्लभ उपासरे में साध्वी प्रियस्मिताश्री, डॉ. प्रियलताश्री और डॉ. प्रियवंदनाश्री की निश्रा में महोत्सव का आयोजन किया गया।

#### *ज्ञान के बिना क्रिया अधूरी*

प्रियस्मिता- साध्वी प्रियस्मिता ने कहा कि ज्ञान के बिना क्रिया और क्रिया के बिना ज्ञान अधूरा है। जब भी हम किसी भी प्रकार की पूजा करते हैं हमें उसके सारे नियमों का पालन करना चाहिए। तभी पूजा सार्थक होती है। ज्ञान पंचमी ज्ञान की आराधना का दिवस होता है। ज्ञान और ज्ञान की सामग्रियों का कभी भी तिरस्कार नहीं करना चाहिए।

### मलयाली समाज ने अन्नदान कर सुनी नरसिंह अवतार की कथा

**रायपुर (ए)।** टाटीबंध स्थित अयप्पा स्वामी मंदिर में शनिवार को मलयाली समाज के लोगों ने अन्नदान किया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में गुड़, केले के गुच्छे, रखिया और धान समेत अन्य सामग्रियां अर्पित कीं। दान की हुई सामग्रियों से प्रसाद तैयार कर वितरण किया जाएगा। शनिवार को रायपुर के पूर्व कलेक्टर एस भारतीदासन ने अपने पुत्र बीएम रक्षनिथिलन के लिए कन्नी पूजा कराई। आचार्य कदमबनित्ता जयचंद्रन नायर ने श्रद्धालुओं को संगीतमय कथा श्लोकों के जरिए भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार का वर्णन किया। इस दौरान श्रीअयप्पा सेवा संघम के अध्यक्ष गोपाल मेनन, उपाध्यक्ष एनकेएस पिल्लई, सहसचिव सुरेश नायर, सचिव शरत नायर, बीनू नायर, आर सुरेश मौजूद रहे।

### ईसाई समाज आज मनाएगा धन्यवादी पर्व,यूथ रैली 2 को

**रायपुर।** गिरजाघरों में रविवार को धन्यवादी पर्व मनाया जाएगा। डायसिस के प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल ने बताया कि सेंट पॉल्स कैथेड्रल में बिशप एसके नंदा युवाओं को पूर्ण मसीहियत धारण करने का दृढ़ीकरण संस्कार देंगे। नांदघाट में 2 दिसंबर को यूथ रैली में बिशप नंदा व विशिष्ट अतिथि डायसिस की उपाध्यक्ष पादरी सुषमा कुमार, सचिव नितिन लारेंस, कोषाध्यक्ष अजय जॉन, सीडीबीई सचिव जयदीप रॉबिंसन होंगे।

# जब आपकी शक्ति जागृत होती है तो देवता भी आपसे प्रेम करते हैं: प्रवर प्रवीण ऋषि

**रायपुर (ए)।** जंबूस्वामी की जिज्ञासा के उत्तर में सुधर्मा स्वामी ने एक अनूठे स्तोत्र पुच्छिंसुणं (वीर स्तुति) की रचना की, जिसकी आराधना लालगंगा पटवा भवन में जारी है। उपाध्याय प्रवर ने शनिवार को कहा कि पुच्छिंसुणं की 6 गाथा (स्तोत्र 9 से 14) के मूल सूत्र को ध्यान में रखोगे तो जीवन में नई यात्रा के लिए पथ खुलेगा। ये स्तोत्र हमारे अंदर के महावीर को जगाने के स्तोत्र है। और हम अपने अंदर के महावीर को क्यों नहीं जगा पा रहे हैं उसका उत्तर है। उपाध्याय प्रवर ने कहा कि वीर्य है तो ख़ुशी है और खुशी है तो वीर्य है। जिस काम को करने में आनंद आता है उस काम को करने से शक्ति का जागरण होता है। जिस काम को करने से आनंद नहीं आता है, उसमे शक्ति कम होती जाती है। जिस काम को करना है उसमे पूरी शक्ति लगा दो। परमात्मा जो भी कार्य करते थे उसमे अपनी पूरी शक्ति लगा देते थे। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी।

उपाध्याय प्रवर ने कहा कि प्रभु महावीर जो भी कार्य करते थे उसमे अपनी पूरी शक्ति लगा देते थे। जब महावीर अपनी साधना काल में थे, तब उन्होंने एक रात्रि की प्रतिमा धारण की और मन में एक विचार आया कि आज मुझे रात भर एक छोटे से कंकर को देखना है, बिना पलक झपकाए। इस प्रतिमा की जैसे शुरुआत हुई उनके अंदर शक्ति का विस्फोट हुआ। और इस शक्ति का स्पंदन स्वर्ग में बैठे शक्रेन्द्र को हुआ। उन्हें साधना के स्पंदन महसूस हुए। शक्रेन्द्र ने इस स्पंदन की ओर ध्यान दिया तो उसने देखा कि परमात्मा ने अद्भुत साधना शुरू की है, और वह उनकी भक्ति में लीन हो गया। उपाध्याय प्रवर ने कहा कि कुछ लोग भक्ति में खुश होते है, कुछ स्वयं भक्ति नहीं कर पाते लेकिन दूसरों की भक्ति देखकर उन्हें आनंद आता है। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो भक्ति भी नहीं करते हैं और दूसरों की भक्ति भी उन्हें नहीं सुहाती है। शक्रेन्द्र की सभा में भी कुछ देव थे जिन्हे महावीर की प्रशंसा नहीं सुहाती थी। एक ने कहा कि आप क्या कर रहे हैं? शक्रेन्द्र तो भक्ति में डूबा हुआ था, उसने कहा कि मेरे परमात्मा ने आज अनूठी साधना शुरू की है, रात भर एक कंकर को बिना पलक झपकाए देखने की साधना शुरू की है। देव ने कहा कि यह सोचना अलग बात है, कोई बिना पलक झपकाए नहीं रह सकता। शक्रेन्द्र ने कहा कि परमात्मा की पलक कोई झपका नहीं सकता। देव ने कहा कि मैं झपका के बताता हूं। उसने कई प्रयास किए, चक्रवात चलाया, धूल भारी आंधी चलाई, एक रात में अनेक उपक्रम किए, लेकिन महावीर की पलक नहीं झपका पाया। इसे कहते हैं पडिपूर्ण वीर्य।

उपाध्याय प्रवर ने कहा कि क्यों तपस्वियों के पास देवता आते हैं? क्योंकि वहां शक्ति का जागरण है। सुधर्मा स्वामी कहते हैं कि जहाँ आनंद की अनुभूति होती है वहां देवता भी जाते हैं। जंबूस्वामी ने ज्ञान दर्शन और शील की बात की, लेकिन सुधर्मा स्वामी ने इन सब को छोड़कर धर्म और शक्ति की बात की। वीर्य होगा तभी ज्ञान श्रध्दा और तप होगा। जैन दर्शन के अनूठे सिद्धांत हैं। महावीर ने कहीं नहीं लिखा कि धर्म की जीत होती है। एक बार इंद्रभूति गौतम ने महावीर से पूछा कि दो पहलवान लड़ रहे हैं, दोनों एक ही कद-काठी के हैं, दोनों में बराबर का बल है, लेकिन एक जीतता है और दूसरा हारता है, ऐसा क्यों? हम प्राय: यह उत्तर देंगे कि वह धर्म, सत्य के लिए लड़ रहा था। लेकिन परमात्मा ने कहा कि जिसने अपना बल पराक्रम वीर्य जागृत रखा, वह जीत गया। ताकत जहां लगती है, वहीं जीत हासिल होती है। महात्मा गांधी ने अहिंसा पर अपनी पूरी ताकत लगा दी थी, इसलिए उनकी जीत हुई। सत्य के पीछे शक्ति लगा दी तो सत्य की विजय होगी।

#### जब आपकी शक्ति जागृत होती है तो देवता भी आपसे प्रेम करते हैं

उपाध्याय प्रवर ने कहा कि जब हमारे रास्ते में कोई बाधा आती है तो हम काम छोड़ देते हैं। यह इसलिए क्योंकि हम पूरी ताकत से काम शुरू नहीं करते हैं। जिस समय आप पूरी शक्ति लगते हैं, उस समय पूरी शक्ति चेतन मन में जाती है। शक्ति सभी के अंदर है, लेकिन हमने अपने अंदर के सभी रास्तों को खुला रखा है। अपने मन और शक्ति को एक रास्ते पर लगाओ। उपाध्याय प्रवर ने कहा कि जैन आगम में चेतन, अवचेतन और अचेतन की अवधारणा नहीं है। जैन आगम में अवधारणा है तो केवल वीर्य की। दो प्रकार के वीर्य है: आभोगवीर्य और अनाभोगवीर्य। एक ऐसा वीर्य जो जागृत है और दूसरा जो हमारी जानकारी के बिना काम कर रहा है। यदि अनाभोगवीर्य ज्ञान में आ गया तो या पडिपूर्णवीर्य हो गया। परमात्मा ने जो साधना दी है वह इतनी दी है कि उसमे अनाभोगवीर्य नहीं रहे। जितना रहे जागृत वीर्य रहे। जजब आपकी शक्ति जागृत होती है तो देवता भी आपसे प्रेम करते हैं। जो शक्तिशाली हैं उन्हें सम्मान मिलता है। हम प्राय: अपनी शक्ति को छुपा कर रखते हैं। जिस समय हम अपनी पूरी शक्ति लगते हैं, उस समय हम जीतते हैं। परमात्मा की शक्ति सुमेरु पर्वत के समान है, उसे कोई नहीं हिला सकता। सूर्य उनकी परिक्रमा करता है, शक्रेन्द्र को वहां आनंद की अनुभूति होती है, स्वर्ग से ज्यादा आनंद आता है।

## ITC रिवर्सल की जानकारी 30 नवंबर तक नहीं की अपलोड तो क्लेम मिलना मुश्किल

**रायपुर (ए)।** जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) रिर्क्सल के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसके मुताबिक आईटीसी रिवर्सल के मामलें की सारी जानकारी जीएसटी पोर्टल पर 30 नवंबर तक अपलोड करना होगा। यदि व्यापारी जानकारी अपलोड नहीं करता है तो फिर बाद में क्लेम नहीं कर पाएगा। 30 नवंबर तक अपलोड जानकारी को 31 दिसंबर तक अपडेट कर सकेंगे।

अब तक ऐसी व्यवस्था नहीं थी और व्यापारी बाद में कभी भी आईटीसी रिवर्सल के बाद क्लेम दोबारा कर लेते थे। आईटीसी दो तरह की होती है पहली तो फाइनल है और दूसरी जिसे क्लेम करके रिवर्स किया जाता है। क्योंकि कुछ नॉर्म्स पूरे नहीं हुए होते। इसे बाद में क्लेम कर लिया जाता है। रिवर्सल का एक कारण है कि व्यापारी को इनवॉइस तो मिल जााए पर साल की डिलीवरी बाद में हो। माल खरीदने के बाद व्यापारी 180 दिन में पेमेंट न कर पाए। माल की खरीद के बाद सप्लायर टैक्सजमा न करें। इन मामलों में आईटी रिवर्स करके बाद में क्लेम होती है। यदि व्यापारी ऐसी आईटीसी क्लेम कर ले जिसके लिए वो एलिजिबल नहीं है तो इसकी जानकारी भी रिवर्सल के बाद पोर्टल पर देनी होगी। एसजीएसटी, आईजीएसटी और सीजीएसटी तीनों की जानकारी सहित पोर्टल पर डाटा दर्ज करना होगा। जानकारी 30 नवंबर तक नहीं अपलोड की तो आईटीसी लैप्स हो जाएगा। सिस्टम में सही जानकारी उपलब्ध हो इसके लिए बदलाव हुए हैं।

## राज्यपाल हरिचंदन ने 'नृत्य रहस्य' पुस्तक का किया विमोचन

**रायपुर।** राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने आज प्रसिद्ध ओडिशी नृत्यांगना पूर्णश्री राऊत द्वारा लिखित पुस्तक ''नृत्य रहस्य द सेक्रेड मिस्टिक्स ऑफ डांस'' का आज राजभवन में विमोचन किया।

संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा प्रकाशित यह नृत्य विधा पर श्रीमती राउत द्वारा लिखी गई चौथी पुस्तक है। इस पुस्तक के माध्यम से बताया गया है कि नृत्य के माध्यम से स्वस्थ रहा जा सकता है और बड़ी-बड़ी से बिमारियों को दूर किया जा सकता है। नृत्य प्राचीनतम योग कला का एक स्वरूप है। यह शारीरिक तंत्र क्रिया, कुंडलिनी जागरण, आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का एक माध्यम है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य एक ऐसी विधा है जिससे शरीर के अंग में हल-चल होती है और ऊर्जा जागृत होती है तथा आध्यात्मिक अनुभूति का भाव पैदा करती है। इस पुस्तक में छत्तीसगढ़ के बस्तर से लेकर सरगुजा तक के ऐतिहासिक मंदिरों में अंकित नृत्य मुद्राओं का उल्लेख किया गया है। राज्यपाल हरिचंदन ने पुस्तक प्रकाशन के लिए श्रीमती राऊत को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पुस्तक विमोचन के अवसर पर राज्यपाल के सचिव अमृत खलखो, संस्कृति विभाग के सचिव अन्बलगन पी, संचालक विवेक आचार्य, रेडक्रॉस सोसाइटी छत्तीसगढ़ के सीईओ एमके राऊत, रेडक्रॉस छत्तीसगढ़ सोसाइटी के अध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल उपस्थित थे।

## शहर से हर साल निकलता है 2500 टन ई-वेस्ट सिर्फ 250 टन ही पहुंच रहा रीसायकल प्लांट

**रायपुर (ए)।** लोगों में जागरुकता लाने के लिए नगर निगम व स्मार्ट सिटी की ओर से इसपर लगातार कार्य किए जाते है। ई-वेस्ट कलेक्शन के लिए नगर निगम और स्मार्ट सिटी ऑफिस में ही ई-वेस्ट कलेक्शन बॉक्स रखे गए है। जो पिछले 6 माह में एक बार भी नहीं भरे है।

स्मार्ट सिटी ने स्टार ई-प्रोसेसर नाम की कंपनी को ई-वेस्ट के रिसायकल करने का काम दिया है। कंपनी हेड ऋषि टंडन ने बताया कि शहर में एक दिन में 8 टन से 9 टन ई-वेस्ट निकलता है, लेकिन हम तक केवल 250 टन से भी कम ई-वेस्ट रीसायक्लिंग के लिए पहुंचता है। लोगों को इससे जोड़ने के लिए अलग-अलग जगह अवेयरनेस भी कर रहे है। अभी 111 प्रकार के आइटम को ई वेस्ट कैटेगिरी में शामिल किया गया है जो पहले 36 प्रकार के ही थे। कंपनी ई-वेस्ट में टीवी, कैबल, इंडस्ट्री इलेक्ट्रीक आइटम, रेफ्रिजरेटर, मोबाइल, रेडियो, स्विच, कम्प्यूटर पार्ट्स, बैटरीआदि ई-वेस्ट चालू हालत से लेकर बंद पड़े हुए वेस्ट खरीद रही है। इसके लिए 5 से 1 हजार किलो तक रेट रखा गया है। कंपनी को 7879307743 पर व्हाट्सअप करने पर घर से भी सामान लेकर जाती है।

शहर से निकलने वाले ई-वेस्ट के निष्पादन को लेकर नगर निगम की ओर से कार्य तो किया जा रहा है। लेकिन जागरूकता की कमी के कारण अभी भी 10 से 15 प्रतिशत ही ई-वेस्ट रीसायक्लिंग के लिए पहुंच रहा है। शहर में उद्योगों, हॉस्पटिल, इलेक्ट्रोनिक दुकानों और घरों से हर साल ढाई हजार टन ई-वेस्ट निकल रहा है। लेकिन ई-वेस्ट रीसायक्लिंग कंपनी के पास केवल 200 से 250 टन ही रिसायकल के लिए पहुंच रहा है। ई-वेस्ट या तो कबाड़ी वाले के पास जा रहे है या डंपिंग यार्ड में जा रहा है।

प्रदेश में हर साल ई-वेस्ट की तादात 8 से 9 हजार टन की दर से बढ़ रहा है। राज्य में रायपुर में ही ई-वेस्ट रीसायक्लिंग कंपनी है जो इसपर कार्य कर रही है। हर साल यहां 9 से 10 हजार टन ई वेस्ट पूरे राज्य से रिसायकल होने के लिए पहुंच रही है। इसमें सबसे ज्यादा हिस्सा रायपुर का है। लगभग 25 से 30 फीसदी रायपुर का होता है। नगर निगम की ओर से ई-वेस्ट प्रबंधन के लिए कई अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाए जाते है लेकिन लोगों में जागरूकता की कमी के कारण कभी भी ई वेस्ट बाहर ही फेंके जा रहे है।

ई-वेस्ट कलेक्शन के लिए प्रचार व प्रसार के जरिए शहर में लगातार जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। निगम मुख्यालय व स्मार्ट सिटी के ऑफिस में कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं लेकिन जागरूकता की कमी के कारण यहां भी ई-वेस्ट नहीं डालते हैं।

**-योगेश कडु, सहायक अभियंता, नगर निगम, रायपुर**

## गोपाल मंदिर में अन्नकूट आज, गौ-माता के कान में बोलकर पूजा में शामिल होने का न्योता दिया

**रायपुर (ए)।** सदर बाजार स्थित गोपाल मंदिर में रविवार को गोवर्धन पूजा की जाएगी। इसे लेकर शनिवार की शाम को कान जगाई पूजा हुई। मंदिर के पुजारी ने गौ-माता के कान में मंत्र बोले और उन्हें गौवंशों के साथ सुबह गोवर्धन पूजा में शामिल होने का न्योता दिया। श्रद्धालुओं ने भी गौ-माता पर हल्दी की छाप लगाई।

मंदिर समिति के राजकिशोर नथानी ने बताया कि रविवार को सुबह 10 बजे से गोवर्धन पूजा और अपराह्न 3 बजे से अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। शाम 5 बजे तक मंदिर में अन्नकूट के दर्शन और शाम 7.30 से प्रसाद वितरण होगा।

दूसरी ओर बूढ़ापारा के गिरिराज मंदिर में 20 नवंबर सोमवार को गोपाष्टमी पर गौ-माता की पूजा की जाएगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

## हिस्ट्री हंटर पूरे भारत में सदियों पुराने छिपे रहस्यों को करेगा उजागरः मनीष पॉल

शो हिस्ट्री हंटर को होस्ट करने जा रहे एक्टर मनीष पॉल ने कहा है कि यह भारत के विविध परिदृश्य में छिपी जटिलताओं को उजागर करता है। सीरीज में अचानक इतिहास में समा जाने वाले और लोगों की स्मृति से गायब हो चुके डेढ़ साल पहले मौजूद दुनिया के सबसे बेहतरीन भारतीय विश्वविद्यालयों से लेकर एक अस्पष्ट इंजीनियरिंग चमत्कार तक की कहानियां बताई गई हैं जिसने 80 टन वजनी चट्टान को बिना किसी आधुनिक मशीनरी के 200 फीट उठाना संभव बनाया।

मनीष के उन सवालों के पीछे तार्किक स्पष्टीकरण और तर्क की उनकी खोज में विशेषज्ञ मदद करेंगे। शो के बारे में मनीष ने कहा, हिस्ट्री हंटर ने मुझे पूरे भारत में एक रोमांचक यात्रा शुरू करने का अवसर प्रदान किया है, जिसमें हमारे विविध परिदृश्य में छिपी जटिलताओं को उजागर किया गया है। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के साथ सहयोग करना एक सुखद अनुभव रहा है। मैं उत्सुकता से इस रोमांचक सीरीज को दर्शकों के साथ साझा करने का इंतजार कर रहा हूं और विश्वास करता हूं कि यह उन्हें मंत्रमुग्ध कर देगी। यह शो नाना साहेब पेशवा 2 के लापता होने से जुड़े सिद्धांतों का भी पता लगाएगा। हिस्ट्री हंटर का प्रीमियर 20 नवंबर को डिस्कवरी चैनल पर होगा और यह डिस्कवरी प्लस पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा।

# नींबू पानी पीने से क्या हाई बीपी कंट्रोल में रहता है? दिल के मरीजों के लिए कितना फायदेमंद है ये ड्रिंक

हाई बीपी के मरीज को डॉक्टर अक्सर ज्यादा नमक या गर्म चीज खाने से मना करते हैं। लेकिन क्या नींबू पानी पीने से हाई बीपी कंट्रोल में रहता है? हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक हाई बीपी काफी ज्यादा खतरनाक है क्योंकि इसमें दिल पर इतना ज्यादा प्रेशर बढ़ता है कि इससे धमनियों को नुकसान भी हो सकता है। जिसके कारण दूसरी खतरनाक बीमारी होने का जोखिम भी बढ़ता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या नींबू पानी पीना सही होगा? नींबू पानी में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है तो वह बीपी बढ़ा सकता है। वहीं नींबू में पाए जाने वाला विटामिन सी धमनियों और नसों के लिए बहुत अच्छा होता है।

### क्या नींबू पानी तुरंत ब्लड प्रेशर को कम कर सकता है?

रिपोर्ट के मुताबिक नींबू में फ्लेवोनोइड्स और कैरोटेनॉइड भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ऐसे में अगर हाई बीपी के मरीज नींबू पानी पिएंगे तो उन्हें काफी फायदा मिलेगा। इसके अलावा इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में होती जो नसों में फंसी गंदगी को डिटॉक्स और बाहर निकालने का काम करती है। यह एक तरह से क्लींजर की तरह काम करता है। नसों में जमा खराब और गंदा कोलेस्ट्रॉल को निकालने का काम करती है। जिससे बीपी कंट्रोल में रहता है।

### हाइड्रेट रखने के लिए नींबू अच्छा है

हाई बीपी नींबू पीने से कई सारे फायदे हैं। शरीर को हाइड्रेट करने का काम यह अच्छा है। साथ ही यह बीपी के मरीजों के लिए यह काफी अच्छा होता है क्योंकि यह नसों को हेल्दी रखने के लिए फायदेमंद है। साथ ही साथ यह ब्लड सर्कुलेशन को भी अच्छा रखता है। हाई बीपी के मरीज के लिए यह काफी ज्यादा अच्छा होता है।

### नींबू पानी होते हैं एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

नींबू पानी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इसमें फाइन रेडिकल्स होते हैं जो दिल को नुकसान पहुंचाने से बचाता है। जिसकी वजह से ब्लड वेसेल्स ठीक ढंग से काम करता है। और दिल की बीमारी का जोखिम कम होता है। इन रिपोर्टों के आधार पर यह कह सकते हैं कि नींबू पानी हाई बीपी के मरीज के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है। अगर किसी को हाई बीपी की शिकायत है तो वह आराम से नींबू पानी पी सकते हैं। आप नमक की जगह काला नमक या सेंधा नमक का इस्तेमाल करेंगे तो वह ज्यादा फायदा पहुंचाएगा।

# सिंपल साड़ी पहन अवनीत कौर ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

टीकू वेड्स शेरू फेम अवनीत कौर आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट लूट लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग साड़ी लुक्स की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री अपना कातिलाना हुस्न देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। टीवी से बॉलीवुड इंडस्ट्री तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तसवीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उन्होंने येलो कलर की साड़ी और साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। अवनीत कौर अपनी इन फोटोज में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देते हुए अपनी बलखाती हुई कमर फ्लॉन्ट कर रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। अवनीत कौर की हर एक झलक पाने के लिए लोग काफी बेताब रहते हैं। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

# कीर्ति कुल्हारी अंतरराष्ट्रीय फिल्म में आएंगी नजर, बोलीं- मुश्किल था सफर

फिल्म मिशन मंगल और वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी 13 साल से मनोरंजन जगत का हिस्सा हैं। इस दौरान अभिनेत्री कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहीं और अपने अभिनय के बल पर एक अलग पहचान बनाई। अब कीर्ति बॉलीवुड के बाहर अपने कदम बढ़ा रही हैं और जल्द अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म में नजर आएंगी। ऐसे में अभिनेत्री ने अपने बॉलीवुड से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जाने के सफर के बारे में बात की है।

कीर्ति फिल्म सच इज लाइफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत करने जा रही हैं। यह अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय अप्रवासी परिवार की कहानी है, जिसमें कीर्ति और जिम सर्भ माता-पिता बनेंगे। इसकी शूटिंग कश्मीर, नई दिल्ली, न्यू ऑरलियन्स, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क में अगले साल अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म का निर्माण रोमिला सराफ भट्ट, राहुल भट्ट, प्रिंसटन, न्यू जर्सी में स्थित रेड बाइसन प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है।

कीर्ति ने कहा कि अब उन्हें महसूस होता है कि वह अपने करियर में आगे बढ़ रही हैं, जिससे उनका विकास हो रहा है। अभिनेत्री का कहना है कि वह फिल्म सच इज लाइफ को सिर्फ एक प्रोजेक्ट के रूप में नहीं देखती हैं, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह इस चरण में आत्मविश्वास देता है। ऐसे में वह अपनी फिल्म को लेकर उत्साहित हैं।

कीर्ति ने कहा, यह कदम मुझे बताता है कि मैं इसके लिए कितनी तैयार हूं। एक अभिनेत्री के रूप में मैं जो सोचती हूं और करती हूं, मेरे करियर के संदर्भ में यह मेरे लिए एक स्वाभाविक प्रगति है। मैं इसके लिए तैयार हूं।कीर्ति का कहना है कि उन्हें घबराहट नहीं हो रही है कि लोग उनको लेकर अपनी धारणा बनाएंगे या उन्हें जज करेंगे। उन्हें लगता है कि यह उनके लिए एकदम सही समय है।

कीर्ति ने अब तक के अपने सफर के बारे में बात करते हुए कहा कि यह आसान नहीं रहा है। यह उनकी एक लंबी और कठिन यात्रा है, जिसमें वह अकेले भी रहीं। वह कहती हैं कि कभी-कभी गुस्सा आता था यह समझने की कोशिश करने में कि क्या हो रहा था या फिर कुछ क्यों नहीं हो रहा था। उन्हें लगता था कि वह बहुत कुछ कर सकती हैं, लेकिन इसे दिखाने का मौका उन्हें नहीं मिल रहा था।

कीर्ति ने 2010 में फिल्म खिचड़ी से बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की थी और अब वह जल्द ही फिल्म खिचड़ी 2 में कैमियो करेंगी। कीर्ति ने 2016 में अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी, लेकिन अप्रैल 2021 वे अलग हो गए।

# विजय सेतुपति-कटरीना कैफ की फिल्म मेरी क्रिसमस की नई रिलीज डेट आई सामने, 12 जनवरी 2024 को रिलीज होगी फिल्म

साउथ एक्टर विजय सेतुपति और बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ की जोड़ी वाली फिल्म मेरी क्रिसमस कई दिनों से अपनी रिलीज डेट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी तक कई अपडट्स सामने आ चुके हैं। अभी कुछ महीने पहले ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जानकारी दी थी कि फिल्म मेरी क्रिसमस को 8 दिसंबर को ही रिलीज कर दिया जाएगा। पहले इस मेरी क्रिसमस की रिलीज डेट 15 दिसंबर को को रिलीज होने वाली थी। अब इस फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर बदल गई है। तो चलिए जानते है कटरीना कैफ की मेरी क्रिसमस बड़े पर्दे पर कब दस्तक देने वाली है।

कटरीना कैफ और विजय सेतुपति की फिल्म मेरी क्रिसमस रिलीज से पहले काफी चर्चा में बनी हुई है। इसकी सबसे बड़ी वजह बार-बार फिल्म की रिलीज डेट बदलना है। कटरीना कैफ की फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज डेट को एक बार फिर बदल दिया गया है। अब फैंस को फिल्म मेरी क्रिसमस को देखने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा। अब कटरीना कैफ और विजय सेतुपति की मेरी क्रिसमस 8 दिसंबर को नहीं बल्कि साल 2024 के जनवरी महीने में रिलीज होगी। इसको लेकर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया है। जिसमें बताया गया है कि कटरीना कैफ और विजय सेतुपति की मेरी क्रिसमस अब 12 जनवारी 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। विजय सेतुपति और कटरीना कैफ की फिल्म मेरी क्रिसमस की टक्कर अब दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर से होने वाली है। दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की ये फिल्म भी साल 2024 की जनवरी में रिलीज होने वाली है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

# कल से 29 नवंबर तक 48 रेलगाड़ियां रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा राजनांदगांव एवं कन्हान रेलवे स्टेशनों के मध्य तीसरी रेल लाइन का कार्य किया जा रहा है जिसके चलते कन्हान स्टेशन में दिनांक 20 से 29 नवंबर तक नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरुप कुछ गाडियों को रद्द एवं कुछ को गंतव्य से पहले समाप्त एवं रवाना किया जाएगा।**

**रद्द होने वाली गाडियां -**

01. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08711 डोंगरगढ-गोंदिया मेमू रद्द रहेगी।
02. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08713 गोंदिया-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी मेमू रद्द रहेगी।
03. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08716 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-गोंदिया मेमू रद्द रहेगी।
04. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08712 गोंदिया-डोंगरगढ मेमू रद्द रहेगी।
05. दिनांक 21 से 30 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08756 नेता जी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रामटेक मेमू रद्द रहेगी।
06. दिनांक 21 से 30 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08751 रामटेक-नेता जी सुभाष चंद्र बोस इतवारी मेमू रद्द रहेगी।
07. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08754 नेता जी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रामटेक मेमू रद्द रहेगी।
08. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08755 रामटेक-नेता जी सुभाष चंद्र बोस इतवारी मेमू रद्द रहेगी।
09. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08281 नेता जी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-तिरोड़ी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी
10. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08284 तिरोड़ी-तुमसर पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
11. दिनांक 21 से 30 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08283 तुमसर-तिरोड़ी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
12. दिनांक 21 से 30 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08282 तिरोड़ी-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
13. दिनांक 19 से 28 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08267 रायपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
14. दिनांक 20 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 08268 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रायपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
15. दिनांक 19 से 27 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 18109 टाटा नगर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
16. दिनांक 21 से 29 नवंबर, 2023 तक गाड़ी संख्या 18110 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-टाटा नगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
17. दिनांक 24 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12870 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी टर्मिनस एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
18. दिनांक 26 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12869 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-हावड़ा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
19. दिनांक 20 एवं 21 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
20. दिनांक 23 एवं 25 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 20844 भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
21. दिनांक 18, 23 एवं 25 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 20844 बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
22. दिनांक 21, 26 एवं 28 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी
23. दिनांक 19 एवं 26 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 22905 ओखा-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
24. दिनांक 21 एवं 28 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 22906 शालीमार-ओखा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
25. दिनांक 19 एवं 26 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12145 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-पुरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
26. दिनांक 21 एवं 28 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12146 पुरी-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
27. दिनांक 24 एवं 25 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12812 हटिया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
28. दिनांक 26 एवं 27 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12811 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-हटिया एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
29. दिनांक 19 एवं 26 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 22620 त्रिवेंद्रम-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
30. दिनांक 21 एवं 28 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 22619 बिलासपुर-त्रिवेंद्रम एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
31. दिनांक 18 एवं 25 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 20822 सांतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
32. दिनांक 20 एवं 27 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 20821 पुणे-सांतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
33. दिनांक 20 एवं 27 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12767 नांदेड़-सांतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
34. दिनांक 22 एवं 29 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12768 सांतरागाछी-नांदेड़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
35. दिनांक 18 एवं 25 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 13425 माल्दा टाउन-सूरत एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
36. दिनांक 20 एवं 27 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 13425 सूरत-माल्दा टाउन एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
37. दिनांक 20, 22, 24 एवं 27 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12771 सिकंदराबाद-रायपुर एक्सप्रेस रद्द रहेग।
38. दिनांक 21, 23, 25 एवं 28 नवंबर, 2023 को गाड़ी संख्या 12772 रायपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

# सेवा पथ संस्था निकालेगी 9 कन्याओं की अनोखी बारात

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। एक बेटी का पिता होना जहां एक ओर समाज में गर्व करने वाली बात है। वहीं वर्तमान कुरीतियों के कारण अभिशाप भी होती जा रही है। बेटी की विवाह में भव्य आयोजन करने की आडंबर और एक दूसरे से अधिक दहेज देने की होड़ का अनुसरण करते -करते मध्यम वर्गीय पिता अपनी बेटी की शादी तो धूमधाम से कर लेता है, उसके बाद वो पूरी जिदंगी मेहनत करके उस शादी का कर्ज चुकाते-चुकाते बुढ़ा हो जाता है।**

इन्ही ज्वलंत समस्याओं और कुरीतियों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक संस्था सेवा पथ द्वारा चौथी बार 19 नवंबर रविवार को एक ही मंच में एक साथ 9 कन्यादान का नि:शुल्क विवाह संपन्न कराया जा रहा है। जिसमें सभी वर-वधु का एक साथ मुकुट बंधन, बारात, लेडीस संगीत, माता स्वरूपी कन्याओं की आरती, फेरे और रिसेप्शन विधि विधान से संपन्न कराए जाएंगे।

संस्था के प्रमुख सदस्य पहलाज खेमानी और राजा बजाज ने प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि सेवा पथ विगत 3 वर्षों में 3 बार कन्यादान का ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित कर चुकी है। पुन: चौथी बार यह नि:शुल्क कन्यादान संपन्न करा रही है। इससे समाज की दशा और दिशा बदलने में सहायक होगी। साथ ही साथ जो माता-पिता अपने बच्चों के विवाह के लिए चिंतित है उन्हें भी इन कुरीतियों से निजात मिलेगी। इस आयोजन में विवाह करने वाले वर-वधुओं की इच्छा अनुसार दूल्हों के अलवा 9 कन्याओं की भी अनूठी बारात निकाली जाएगी।

संस्था की वरिष्ठ महिला सेवादा शकुंतला लखवानी व सुलोचना नारायणी ने बताया कि इस कन्यादान में छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश व उड़ीसा के वर-वधु आकर विवाह के पवित्र बंधन में बंधेंगे और अपनी गृहस्थी शुरू करेंगे।

संस्था द्वारा दहेज मुक्त विवाह की एक अनुकरणीय पहल की गई। जिसमें किसी भी बेटी के पिता को कोई आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा, बल्कि विभिन्न समाजसेवियों द्वारा अपनी खुशी से यदि कोई आशीर्वाद रूपी उपहार वर-वधु को देने की इच्छा होगी तो वे खुद अपने हाथों से रिसेप्शन में आकर दे सकते है।

## खास खबर

### उपार्जन केन्द्रों में शुरू हुई धान की आवक, बायोमेट्रिक से सत्यापन अनिवार्य

**कोरबा।** कोरबा जिले के उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी शुरू हुए एक पखवाड़े हो गए हैं, लेकिन अभी तक धान की आवक में तेजी नहीं आई है। हालांकि शासन ने धान खरीदी की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए बायोमेक्ट्रिक्स से सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। मशीनें सभी उपार्जन केंद्रों में पहुंची चुकी है। अब इसी माध्यम से ही धान की खरीदी होगी। जिले में धान खरीदी एक नवंबर से शुरू हो गई थी, लेकिन बायोमेट्रिक्स मशीन नहीं पहुंची थी। इस कारण पखवाड़े भर से उपार्जन केद्रों में बिना बायोमेट्रिक्स से धान की खरीदी की गई। लेकिन अब किसानों को बायोमेट्रिक्स मशीन में थंब लगाना होगा। इसके बाद धान की खरीदी की जाएगी। इसके लिए जिले के सभी 65 उपार्जन केंद्रों में मशीनें पहुंच गई है। बायोमेट्रिक्स मशीन को तौल मशीन के साथ अपडेट किया जा रहा है। इधर उपार्जन केंद्रों में धान की आवक कम है। 15 दिनों के भीतर 998 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। गौरतलब है कि विगत दिनों तक उपार्जन केंद्रों में मशीन नहीं पहुंचने की वजह से पुरानी पद्धति से धान की खरीदी की जा रही थी। किसान धान की कटाई में लगे हुए हैं। बताया जा रहा है कि 50 फीसदी धान की कटाई लगभग पूरी हो चुकी है। अब धान की मिसाई सहित अन्य कार्य में जुटे हुए हैं। इससे कुछ दिनों के बाद धान खरीदी में तेजी आने की उम्मीद लगाई जा रही है। जिले में दो साल पहले 49 उपार्जन केंद्र थे। इस साल पांच नए उपार्जन केंद्र के साथ दो साल के भीतर 16 नए केंद्र बनाए गए हैं। इससे किसानों को लंबी दूरी का चक्कर काटने से राहत मिली है। किसानों का परिवहन खर्च भी कम हुआ है। इसे लेकर किसानों में उत्साह है।

### प्रेक्षक पवन कुमार ने राजनीतिक दलों के समक्ष सील कराया स्ट्रांग रूम

**सारंगढ़ बिलाईगढ़।** बिलाईगढ़ विधानसभा 43 के सामान्य प्रेक्षक पवन कुमार ने रिटर्निंग अधिकारी डॉ स्निग्धा तिवारी और राजनीतिक दलों की उपस्थिति में मतदान दलों के निर्वाचन सामग्री संग्रहण और बलौदाबाजार भाटापारा जिले के कसडोल क्षेत्र में बिलाईगढ़ विधानसभा के 129 मतदान केंद्रों में हुए मतदान के बाद ईवीएम मशीनों आदि को कलेक्टर बलौदाबाजार से प्राप्त करने पर सील किया गया। अब इसका सुरक्षा सीआईएसएफके जवान कर रहे हैं। साथ ही साथ सीसीटीवी कैमरा भी चालू है। इसी प्रकार रायगढ़ विधानसभा क्रमांक 16 अंतर्गत सरिया क्षेत्र के 59 मतदान केंद्र में निर्वाचन कराने के बाद ईवीएम मशीनों आदि को रायगढ़ के स्ट्रांग रूम के लिए कलेक्टर रायगढ़ को 17 नवम्बर की रात को भेजा गया है। इस अवसर पर लाइजनिंग अधिकारी शैलेन्द्र वर्मा उपस्थित थे।

# प्रत्याशियों की किस्मत का पिटारा ईवीएम में कैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बालोद।** जिले के तीनों विधानसभा में 17 नवंबर को हुए मतदान के बाद जिले की तीनों विधानसभा के 31 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। मतदान के बाद शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात सभी ईवीएम को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच स्ट्रॉन्ग रूम लाया गया। अब वोटिंग मशीनें पाकुभाट स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स यानी बीएसएफकी तगड़ी निगरानी व सुरक्षा में सुरक्षित रखी गई हैं। वहीं राजनीतिक दल भाजपा, कांग्रेस व अन्य प्रत्याशी अपने समर्थकों को ईवीएम की निगरानी के लिए रखेंगे।

अब यह ईवीएम 14 दिन बाद आगामी 3 दिसंबर को मतगणना के दिन खोली जाएंगी व बारी-बारी से वोटिंग मशीन में पड़े वोटों की गिनती की जाएगी, जिसकी तैयारी अब निर्वाचन आयोग करने जा रहा है। क्योंकि मतगणना में ज्यादा दिन का समय बचा ही नहीं है। पाकुरभाट स्थित स्ट्रॉन्ग रूम को पूरे बीएसएफके जवानों ने अपने कब्जे में लिया है। यहां रखे वोटिंग मशीनों की सुरक्षा कर रहे हैं। साथ ही पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है। यही नहीं पूरे स्ट्रॉन्ग रूम के सभी खिड़कियों को ईंट से पैक किया गया है। यहां सुरक्षा ऐसी है कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता। स्ट्रॉन्ग रूम परिसर में बिना पास के आपको एंट्री नहीं मिलेगी। अधिकारियों को भी पास व आईडी कार्ड दिखाना होगा। लेकिन बिना कारण के यहां तैनात बीएसएफके जवान घुसने नहीं देंगे। वहीं निर्वाचन आयोग ने वोटिंग मशीन को कड़ी सुरक्षा व निगरानी के बीच रखा है। बाहर एलईडी टीवी लगाई गई हैं, जहां 24 घंटे लाइव स्थिति दिखाई जाएगी। प्रत्याशी व उनके चुनिंदा समर्थक निर्वाचन आयोग की नई गाइडलाइन के तहत यहां आकर स्थिति देख सकेंगे। बता दें कि इस स्ट्रांग रूम के पूरे परिसर में सिर्फ बीएसएफ के जवान ही नजर आएंगे, जो 24 घंटे निगरानी रखे हुए हैं। यहां इस परिसर के प्रथम प्रवेश द्वार से लेकर स्ट्रॉन्ग रूम परिसर तक सिर्फ बीएसएफ के जवान ही नजर आएंगे।

# त्योहारों के बाद बाजारों से रौनक गायब, कुछ दिनों बाद शादी का सीजन मार्केट में देगी दस्तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। दिवाली त्योहार और विधानसभा चुनाव निपटने के बाद सभी प्रमुख बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है। शनिवार को शहर के अधिकतर बाजारों से रौनक गायब रही। केवल जरूरी सामानों की खरीदारी करने वाले ग्राहकों ने ही बाजार की ओर रूख किया। इसके चलते मालवीय रोड, सदर बाजार, पंडरी कपड़ा मार्केट, रवि भवन, लाखे नगर और गुढियारी से लेकर कटोरा तालाब तक अधिकांश दुकानें खुली हुई थी। लेकिन ग्राहकी नहीं होने के कारण दुकानदार भी खाली बैठे हुए थे।**

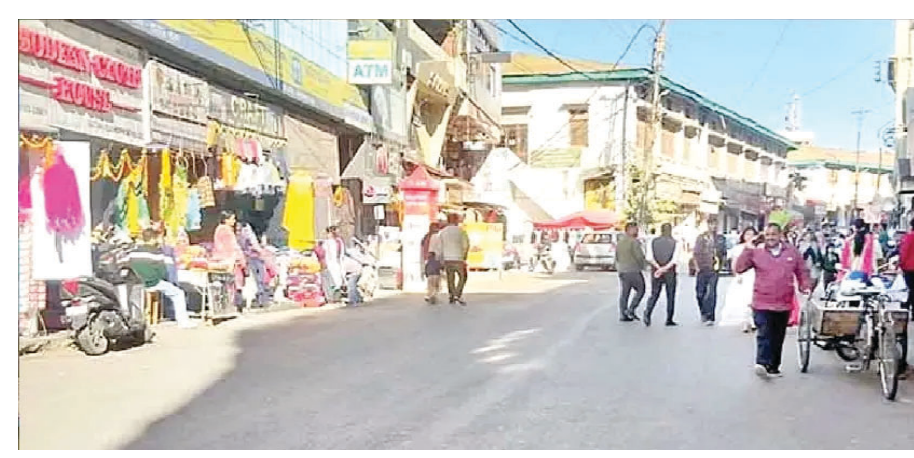

कारोबारियों का कहना है कि दिवाली के त्योहारी सीजन और उसके बाद चुनाव के दौरान बाजार से लेकर गली-मोहल्लों में रौनक थी। इस दौरान लोगों ने जमकर खरीदारी की। इसके निपटने के बाद बाजार में अब गिनती की ग्राहकी रह गई है। इसके सोमवार से धीरे-धीरे पटरी पर आने की उम्मीद है। बता दें कि करवाचौथ, धनतेरस, दिवाली और छठ पूजा के चलते बाजार में पैर रखने तक की जगह नहीं थी।

इस दौरान कपड़ों, आभूषण, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स और मिठाई की दुकानों के अलावा शहर के अन्य कारोबारियों व बड़े-बड़े शोरूम में लोगों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। इसके बाद भी चुनाव के चलते बाजार में भारी भीड़ देखने को मिली। लेकिन अब कारोबारी गतिविधियां थम गई है।

त्योहारी सीजन के बाद ऑटोमोबाइल और सराफा से लेकर कपड़ा बाजार की ग्राहकी सर्वाधिक प्रभावित हुई है। गिनती के मालवाहक वाहनों के चलने के कारण बाजार पर इसका असर पड़ा है। राडा के अध्यक्ष विवेक गर्ग का कहना है कि दिवाली के बाद कुछ दिनों तक खरीदारी कम होने के कारण बाजार पर असर पड़ता है। 23 नवंबर के तुलसी पूजा के साथ ही वैवाहिक सीजन शुरू होने पर एक बार फिर ग्राहकी जोर पकड़ेगी। बता दें कि जुलाई से मांगलिक कार्य बंद थे।

दिवाली त्योहार के बाद मालवाहक वाहनों के थमने के कारण सब्जी से लेकर आलू-प्याज, फल और खाद्य सामग्री की आवक प्रभावित हुई है। स्थानीय आवक और कोल्ड स्टोरेज के जरिए बाजार में जरूरी सामानों का आपूर्ति हो रही है।

थोक सब्जी व्यापारी संघ अध्यक्ष टी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि दीपावली के पहले तक सब्जी और फल की आवक रोजाना 25 से 30 ट्रक होती थी। लेकिन, इस समय 15 से 20 ट्रक दूसरे राज्यों से आवक हो रही है। इसके चलते कीमतों में कुछ इजाफा हुआ है।

# प्रदेश के युवा अब कॅरियर निर्माण के लिए फील्ड का खुद कर सकेंगे चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने अच्छी पहल करते हुए कॅरियर निर्माण कार्यक्रम की जानकारी अधिकारी वेबसाइट में जारी की है। इसमें बताया गया है कि युवा किस तरह की फील्ड में कॅरियर बना सकते हैं। इसका नाम युवा कॅरियर निर्माण व परामर्श कार्यक्रम रखा गया है। इसके माध्यम से जो विद्यार्थी स्कूल में पढ़ने के बाद आगे कॅरियर की जानकारी लेना चाहते हैं, उन्हें इसमें अच्छा कॅरियर गाइडेंस मिलेगा। इसके सहारे वे अपने भविष्य की नीव रख पाएंगे।**

कई बार 12वीं पास करने के बाद विद्यार्थी चिंतित रहते हैं कि कौन सा विषय लेकर आगे की पढ़ाई की जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने कॅरियर कार्ड में विस्तार से जानकारी दी है। इसमें यह बताया गया कि अगर सेना में जाना चाहते हैं तो इसके कौन-कौन से विभाग में जा सकते हैं। इसी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म में किन-किन तरह के फील्ड हैं और उसमें कैसे प्रवेश कर सकते हैं। पूरी प्रक्रिया को समझाया गया है।

खास बात यह है कि जिस भी फील्ड का चुनाव युवा करते हैं, उसमें छात्रवृत्ति भी कहां से किस तरह मिलनी है। इसकी पूरी प्रक्रिया को बताया गया है। इसके बलावा युवा किसी भी फील्ड में जा रहे हों, उनके भविष्य के लिए कौन से विषय लेकर पढ़ाई करने से किस तरह की नौकरी मिल सकती है। ऑनलाइन कोर्स के बारे में भी जानकारी विस्तार से दी गई है।

युवा बीएफएसआई के माध्यम से इंश्योरेंस एजेंट, फाइनेंस अकाउंटेंट, लागत और कार्य लेखाकार, कंपनी सेक्रेटरी, सीए, इनवेस्टमेंट मैनेजर समेत अन्य फील्ड में कॅरियर बना सकते हैं।

इसी तरह डिफेंस, डिजाइन कॅरियर, ग्राफिक्र इंजीनियर, वेब डिजाइनर, प्रोडक्शन डिजाइनर, टेक्सटाइल डिजाइन तकनीशियन, गेम डिजाइन व डेवलपर, फिल्म एंड विडियो डिजाइनर, इलेक्ट्राइनिक डिजाइनर, इंटीरियर डिजाइनर जैसे फील्ड में कॅरियर के लिए बेहतर ऑप्शन बताए गए हैं।

### कुत्तों की संख्या में बढ़ोत्तरी, लोगों पर हमले की घटनाएं भी जारी

**कोरबा।** ठंड के सीजन की शुरुआत होने के साथ नगर और विभिन्न क्षेत्रों में कुत्तों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। इसी के साथ समूह में विचरण करते हुए लोगों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ गई है। ऐसे में हर कहीं खतरे बने हुए हैं और लोग चिंतित हैं। कुत्तों से मारपीट करने के मामले पर संज्ञान लेने वाले संगठन इंसानों पर होने वाली घटनाओं के मामले में शांत हैं और सरकार के स्तर पर भी कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। जबकि चंडीगढ़ हाईकोर्ट ने ऐसे ही मसलों को लेकर अब किसी व्यक्ति के साथ घटना होने पर राज्य सरकार पर जवाबदेही तय करने की बात कही है। कोरबा में खासतौर पर कुत्तों की चिंता करने के लिए कुछ संगठन के लोग ज्यादा ही सक्रिय हैं। जिनकी प्राथमिकता केवल इस बात पर है कि किसी भी कारण से लोग सामान्य या पागल कुत्तों को परेशान न करें। इस बारे में किसी भी स्तर से मिली शिकायत पर नई दिल्ली से लेकर कोरबा से फोन आने शुरू हो जाते हैं।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

## खास-खबर

### वन विभाग ने की कार्यवाही लाखो का अवैध ईमारती सागौन लकड़ी जब्त

**कांकेर।** छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में वन विभाग की टीम लगातार अवैध लकड़ी की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इस दौरान वन विभाग की टीम को सूचना मिली ग्राम पुसवाड़ा के जंगल से सागौन की लकड़ियों को टैक्ट्रर में डालकर अवैध तस्करी कर ले जाया जा रहा था। इसके बाद वन विभाग ने कार्रवाई कर चालक के साथ ट्रैक्टर से 20 नग सागौन चिरान जब्त किया है। जिसकी कीमत1 लाख रुपए बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि, सागौन की लकड़ियों को टैक्ट्रर में भर कर जशपुर ले जा रहे थे। फिलहाल वन विभाग की टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

### नेशनल हाइवे पर देर रात यात्री बसों पर पथराव, ड्राइवर ने दिखाई सतर्कता

**जगदलपुर (ए)।** जगदलपुर शहर को बीजापुर से जोड़ने वाली नेशनल हाईवे-63 में बंजारी घाट के पास देर रात 10 से ज्यादा वाहनों पर पथराव हुआ जिससे वाहनों में लगे शीशे टूट गए। बंजारी घाटी में दहशत की वजह से वाहन चालकों ने गाड़ी नहीं रोकी, जिससे यह पता नहीं लग पाया कि पथराव किसने किया है। इस पथराव से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। इस संबंध में अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

### *नक्सली घटना होने से पुलिस ने किया इनका*

कोड़ेनार के थाना प्रभारी मोहम्मद तारीक के मुताबिक पुलिस को सूचना मिली कि देर रात नेशनल हाईवे- 63 में दंतेवाड़ा जिला के गीदम से पहले पड़ने वाले बंजारी घाट में रात में चलने वाली यात्री बसों और निजी वाहनों में पथराव हुआ। जिससे वाहनों के शीशे फूट गए हैं, हालांकि किसी ने भी वाहन को नहीं रोका और तेज रफ्तार में आगे बढ़ा दिया। इस रास्ते से जितने भी वाहन गुजर रहे थे, सभी पर पथराव किया गया है, खासकर यात्री बसों को काफी नुकसान पहुंचा है। थाना प्रभारी ने कहा है कि शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि असमाजिक तत्वों ने इस तरह की हरकत को अंजाम दिया है। थाना प्रभारी ने नक्सली वारदात होने से इनकार किया है। बंजारी घाट में बना दहशत का माहौल आज से कुछ साल पहले इसी बंजारी घाटी में समाजसेवी सोनी सोरी के चेहरे पर एसिड अटैक किया गया था। यहां भी देर रात इस वारदात को अंजाम दिया गया था। घटना के इतने साल बीत जाने के बावजूद भी आज तक इस बात का पता नहीं चल पाया है कि सोनी सोरी के चेहरे पर किसने एसिड अटैक किया था। इस इलाके में वाहनों पर देर रात पथराव की यह दूसरी घटना है। बंजारी घाट के पहले सीआरपीएफ का कैंप भी स्थापित किया गया है, लेकिन पुलिस अब तक यह पता नहीं लगा पाई है कि यहां कौन दहशत फैला रहा है।

### ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

**गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (ए)।** जिले में दो अलग-अलग मामलों में 2 युवकों की मौत हो गई। पहली घटना में उत्कल एक्सप्रेस से गिरकर एक युवक की जान चली गई। वहीं दूसरे मामले में एक अज्ञात युवक का शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिला है। दोनों ही घटनाओं की GRP और गौरेला पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, राजेश केवट (23) जो सक्ती का रहने वाला था, वो उत्कल एक्सप्रेस से सफर कर रहा था। इससे गिरकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की जेब से बाराद्वार से पेंड्रारोड तक का टिकट मिला है। घटना की जानकारी मिलने पर आरपीएफ मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पहुंचाया।

बिलासपुर में टेंट हाउस में लगी भीषण आग

# 3 दमकलों ने 2 घंटे की मशक्कत से पाया काबू, 25 लाख से ज्यादा का नुकसान

**बिलासपुर (ए)।** बिलासपुर स्थित जनता टेंट हाउस के गोदाम में रविवार तड़के भीषण आग लग गई है। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां करीब आग बुझाने के प्रयास में जुटी हैं। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के चलते हादसा हुआ है। इससे 25 लाख रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

#### तीन दमकल की मदद से बुझाई गई आग

पुलिस ने नगरसेना के फायर ब्रिगेड को हादसे की जानकारी दी। हालांकि जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचे, तब तक आग ने भीषण रूप ले लिया था। गोदाम में रखा सामान धू-धू कर जल रहा था। इस बीच आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। आग को काबू में करने के लिए एक के बाद एक कर तीन दमकलें बुलाई गईं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग को काबू में किया गया।

#### शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

पुलिस की मदद से सब स्टेशन में जानकारी देकर बिजली सप्लाई बंद कराई गई। इसके बाद आग आग बुझाने का काम शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि गोदाम के पास से बिजली तार भी होकर निकला गया है। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से चिंगारी टेंट के कपड़ों पर गिरी होगी, जिसके बाद आग लग गई।

जानकारी के मुताबिक, लिंगियाडी स्थित अपोलो अस्पताल के पीछे जनता टेंट हाउस का गोदाम है। संचालक ने यहां प्लॉट में शेड और वाटरप्रूफ टेंट लगाकर कपड़े, गद्दे, कुर्सी, फर्नीचर सहित बड़ी मात्रा में सामानों को रखा था। रविवार सुबह करीब 4 बजे अचानक वहां से धुआं निकलने लगा। आसपास के लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। जब तक पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची आग ने विकराल रूप ले लिया।

# हाईवा ने बाइक सवारों को मारी जोरदार टक्कर, एक की मौत दो घायल

**बिलासपुर (ए)।** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में धान कटाई कर घर लौट रहे बाइक सवार भाई-बहन और भाभी को तेज रफ्तार हाइवा ने जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई वहीं बहन और भाभी को गंभीर चोट लगी है। ग्रामीणों ने घंटों चक्काजाम कर आक्रोश जताया। घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर में युवक अपनी बहन और भाभी के साथ धान कटाई कर घर लौट रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं बहन और भाभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल वे अस्पताल में एडमिट हैं और उनका इलाज जारी है। वहीं हादसे के बाद ग्रामीणों ने घंटों चक्काजाम कर आक्रोश जताया।

# नर्सरी में प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर दी जान, 2 दिनों से लापता थे नाबालिग

## हत्या की आशंका जताकर लड़की के परिजनों ने किया हंगामा

**सूरजपुर (ए)।** सूरजपुर जिले के ग्राम करमपुर की नर्सरी में शनिवार को नाबालिग प्रेमी जोड़े का शव एक ही फंदे पर फांसी पर लटका हुआ मिला। प्रेमी युगल दो दिनों से लापता था। उनका शव दोपहर बाद देख पुलिस को सूचना दी गई। नाबालिग के परिजनों द्वारा हत्या की आशंका जताकर हंगामा किए जाने के कारण फॉरेंसिक जांच के बाद शवों को रविवार को उतारा जाएगा। मामला बिश्रामपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत करमपुर की नर्सरी में शनिवार की दोपहर लोगों ने प्रेमी युगल का शव एक ही चुनरी में फांसी पर झूलता हुआ देखा। इसकी सूचना गांववालों ने पुलिस को दी। मृतक की पहचान ग्राम पंचायत करमपुर बड़खापारा निवासी कालरी कर्मी देवसाय टोप्पो के बेटे मुनेश्वर टोप्पो उर्फ पिलो (17) और किशोरी की पहचान लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उदारी निवासी छोटी के रूप में की गई है। मृतका की उम्र भी करीब 17 वर्ष बताई गई है।

#### 2 दिन पहले घर से निकला था नाबालिग

घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि मुनेश्वर टोप्पो 16 नवंबर को घर से मार्केट जाने का कहकर निकला था। इसके बाद वह नहीं लौटा। किशोरी भी लापता थी। घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बिश्रामपुर अलरिक लकड़ा, एएसआई सोहन सिंह, पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रेमी युगल ने फांसी कब लगाई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

#### नाबालिग लड़की के परिजनों का हंगामा

पुलिस ने शव का पंचनामा कर शाम को शवों को उतारने की प्रक्रिया शुरू की। इस बीच मृतका के परिजनों द्वारा हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया गया। किशोरी पक्ष द्वारा हंगामा किए जाने के बाद पुलिस ने सूचना अधिकारियों को दे दी है। फॉरेंसिक टीम की जांच के बाद रविवार को शवों को फांसी के फंदे से उतारा जाएगा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा।

सेना के रिटायर्ड जवान के घर से लाखों की चोरी

# त्योहार मनाने गया था अपने पैतृक गांव लाखों का नेकलेस और 40 हजार कैश पार

**दुर्ग (ए)।** छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शनिवार रात अज्ञात चोरों ने एक रिटायर्ड आर्मी मैन के सूने मकान को अपना निशाना बनाया। चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर से लाखों के जेवर और 40 हजार रुपए नगद पार कर दिए। मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र का है।

परसदा कुम्हारी निवासी केशव यादव (54) ने कुम्हारी थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वो घर में अपनी पत्नी और बेटी के साथ रहते हैं और आर्मी से रिटायर हैं। 11 नवंबर को दीपावली का त्योहार मनाने के लिए वो सपरिवार घर में ताला लगाकर राजनांदगांव जिला अंतर्गत अपने गांव इंदावली गए हुए थे।

उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को जब वो घर वापस आए, तो देखा कि घर के सामने मेन दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। वहीं मेन गेट का इंटरलॉक भी टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो बेडरूम का सारा सामान बिखरा हुआ और अलमारी टूटी हुई मिली। अलमारी का दरवाजा खुला देख उसने तुरंत अपने पड़ोसियों को बुलाया। सभी लोगों ने अंदर जाकर देखा कि चोरी हुई है। इसके बाद कुम्हारी थाने में फोन किया और पुलिस को बुलाया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। खबर लिखे जाने तक चोरों का पता नहीं चल पाया है।

#### लाखों का नेकलेस सहित नगदी पार

केशव यादव के मुताबिक, अलमारी में उसकी पत्नी सुधा यादव का एक सोने का नेकलेस जिसकी कीमत लाखों में है, उसकी चोरी हो गई है। इसके साथ ही एक जोड़ी सोने की बाली, एक जोड़ी चांदी की पायल और 40 हजार रुपए नगद भी चोर ने पार कर दिए हैं। बेटी के बेडरूम की अलमारी से स्मार्ट वॉच और अन्य सामान भी चोरी हो गया है।

# सरगुजा में जेल जाने से पहले आरोपी ने डाला वोट: पत्नी की हत्या का आरोप, पकड़े जाने पर जताई थी मतदान की इच्छा

**सरगुजा (ए)।** सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र में पत्नी की हत्या के आरोपी ने जेल जाने के पहले अपने मताधिकार का प्रयोग किया। आरोपी पुलिस गिरफ्त में था लेकिन उसने मतदान करने की इच्छा जताई। एसपी के निर्देश पर पुलिस की मौजूदगी में उसने शुक्रवार को वोट डाला। शनिवार को न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम अरगोती निवासी बनवासो बाई (50 वर्ष) ने बतौली थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, उसका दामाद सोमार साय (35 वर्ष) और बेटी कांति 14 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे नहर में नहाने और कपड़ा धोने गए थे। इसी दौरान दोनों के बीच घरेलू मामले को लेकर विवाद हो गया।

#### सिर पर पत्थर से किए कई वार

विवाद इतना बढ़ा कि सोमार साय ने पत्थर से कांति के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिससे वो लहूलुहान होकर बेहोश हो गई। इलाज के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली लाया गया, जहां इलाज के दौरान कांति की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद पति सोमार साय भाग गया था। बतौली पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 17 नवंबर को आरोपी वोट डालने जाने वाला है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

#### पुलिस हिरासत में कराया गया मतदान

आरोपी सोमार साय ने पकड़े जाने के बाद मतदान करने की इच्छा जताई। प्रशिक्षु डीएसपी शुभम तिवारी ने एसपी सुनील शर्मा को मामले की जानकारी दी। एसपी के निर्देश पर बतौली पुलिस आरोपी को प्राथमिक शाला कदनई मैनपाट मतदान केंद्र लेकर पहुंची और मतदान कराया। वोटिंग में देरी होने के चलते शुक्रवार को आरोपी को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। इसलिए शनिवार को उसे अंबिकापुर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर उसे जेल भेज दिया गया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

# पीसीबी कचरे के पर्यावरण-अनुकूल निपटारे के लिए बीएसपी फैसिलिटी के प्रोटोटाइप मॉडल का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** पॉली क्लोरो बाई–फिनाइल (पीसीबी) और पीसीबी दूषित कचरे के पर्यावरण–अनुकूल निपटान के लिए स्थापित सेल–बीएसपी की सुविधा के एक प्रोटोटाइप मॉडल का उद्घाटन, 18 नवंबर 2023 को संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा, संयंत्र के कार्यपालक निदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस्पात भवन में किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) और संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) के साथ साझेदारी में, पॉली क्लोरो बाई–फिनाइल (पीसीबी) और पीसीबी दूषित कचरे के निपटान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजना शुरू की थी।

इन कचरे को स्टॉकहोम कन्वेंशन के अनुसार स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (पीओपी) में से एक घोषित किया गया है और अत्यधिक कार्सिनोजेनिक माना गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र में स्थापित पीसीबी प्लांट सेल की विभिन्न इकाइयों में वर्तमान में उपलब्ध सभी पीसीबी कचरे के पर्यावरण अनुकूल निपटान में मदद करेगा और पूरे देश में फैले विभिन्न विद्युत प्रतिष्ठानों में संग्रहीत पीसीबी कचरे के विनाश और उपचार में भी मदद करेगा। यह पहल पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करने वाले स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (पीओपी) के प्रबंधन और उन्मूलन की तत्काल आवश्यकता को अभिभाषित करती है।

प्लाज्मा आर्क डिस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, गैर–दहन रासायनिक डी–क्लोरिनेशन सिस्टम और अप्रत्यक्ष थर्मल डिसोर्प्शन सिस्टम जैसी सुविधा की तकनीकी विशेषताएं हानिकारक डाइऑक्सिन बिना उत्पन्न किये 100 प्रतिषत सुरक्षित संचालन की गारंटी देती हैं, जो पर्यावरण मानकों के अनुपालन में एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस सुविधा में अपशिष्टों के 100 प्रतिषत पुनर्चक्रण, पर्यावरणीय नुकसान को कम करने और जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करने के प्रावधान शामिल हैं। प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न सभी साल्ट और सल्जेस सुरक्षित हैं, क्योंकि कचरे में मौजूद क्लोरीन, हानिरहित सोडियम क्लोराइड साल्ट में परिवर्तित हो जाता है।

सभी प्रणालियों का सफलतापूर्वक परीक्षण हो चुका है और वे स्थाईकरण की दिशा में अग्रसर है। उल्लेखनीय है कि मई 2023 में 'पीसीबी कचरे के उन्मूलन के लिए स्टॉकहोम कन्वेंशन के तहत पार्टियों के सम्मेलन' के दौरान जिनेवा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में प्रदर्शित भिलाई स्टील प्लांट के पीसीबी मॉडल को सम्मेलन के प्रतिनिधियों से सराहना मिली थी। पीसीबी संयंत्र की स्थापना, एक दीर्घकालिक और पर्यावरण–अनुकूल भविष्य के प्रति, बीएसपी के समर्पण का उदाहरण है, जो पर्यावरणीय स्थिरता में अग्रणी होने की देश की आकांक्षाओं के अनुरूप है।

इस्पात भवन की दूसरी मंजिल पर पीसीबी प्लांट के 3डी मॉडल के उद्घाटन के अवसर पर, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक (रावघाट) श्री समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) पवन कुमार तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एम रविन्द्रनाथ सहित मुख्य महाप्रबंधक, संयंत्र के पर्यावरण प्रबंधन विभाग और अन्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

## खास - खबर

### छठ का ये महापर्व आपके जीवन में लाये खुशहाली-सरोज पाण्डेय

**दुर्ग।** यानी महापर्व छठ पूजा का आरंभ हो गया है । चार दिनों तक चलने वाले छठ पूजा की सभी तैयारियों में लोग लग गए हैं । इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 सुश्री सरोज पाण्डेय ने दुर्ग सहित प्रदेश की जनता को छठ महापर्व की शुभकामनाएँदेते हुये कहा कि छठ महापर्व सूर्यउपासना का सबसे बड़ा त्यौहार होता है मुख्य रुप से यह पर्व सूर्य उपासना के लिए किया जाता है ताकि पूरे परिवार पर उनका आर्शीवाद बना रहे । और सभी की मनोकामनाएँ पूरी हो । मान्यता है कि छठ का उपवास संतान प्राप्ति की माना, संतान की कुशलता सुख समृद्धि और उसकी दीर्घायु के लिए किया जाता है । उन्होनें कहा इस दिन महापर्व छठ पूजा की शुरुआत सूर्य देवे और छठी मैया के स्मरण से करने के साथ ही दोस्तो, रिश्तेदारों और करीबियों को शुभकामनाएँ देते हैं । राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 सुश्री सरोज पाण्डेय ने समस्त शहरवासियों को छठ पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी है ।

### रोग मुक्ति के लिए हवन में डाली गई औषधियां, अंत में गाए भजन

**भिलाई।** स्कंदाश्रम, हुडको में चल रहे स्कंदषष्ठी समारोह के तीसरे दिन की शुरुआत सुबह शिप्रा गणपति ह वन से हुई, जो कार्यसिद्धि दीर्घायु और मन की शांति के लिए कराई गई। इसके बाद तनाव, रक्तचाप, हृदय और त्वचा संबंधी रोगों से मुक्ति, शत्रुओं से मुक्ति आदि के लिए पूजा की गई। दोपहर 1 बजे वसुंधरा हवन और महा पूर्णाहुति दीप आराधना के बाद भक्तों को प्रसाद बांटा गया। शाम 7 बजे भजन संध्या में पीटी उल्लास कुमार ने भजनों की प्रस्तुति दी। यह आयोजन ब्रह्मश्री राघवन शास्त्रीगल के साथ पधारे तमिलनाडू के प्रसिद्ध वेदाचार्य आर अरविंद, तिरुमलाई वेंकटेश, जी शंकर नारायण, के मानिकंदन, हरिहरन श्रीधरण, एसी राघवन, वेंकटा सुबरमानी, डी अखिल, एस हरीकृशन, आर मुरलीथरन, ए रघुनंदन, एन गोकुलकृषणन और गुरुनाथ स्वामी द्वारा हवन की विधि पूरी कराई जा रही है। हुडको के आश्रम में तीन दिन चले समारोह में सुबह से शाम तक अलग–अलग कार्यों के लिए हवन कराए गए, जिसमें दुर्ग–भिलाई से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। अंतिम दिन महाप्रसादी का वितरण किया गया।

### मां लक्ष्मी की प्रतिमाएं नदी तालाबों में विसर्जित की गई

**दुर्ग।** दीपावली पर दुर्ग शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में विराजित की गई मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं का विसर्जन शनिवार को शिवनाथ नदी समेत गांवों के तालाबों में किया गया। ग्राम कोटनी में धूमधाम से माता के प्रतिमा की विसर्जन यात्रा निकाली गई, जिसमें पूरा गांव उमड़ा। शिवनाथ नदी में विसर्जन किया गया। इसी तरह ग्राम अंडा के गुड़ही चौक में स्थापित मां लक्ष्मी की प्रतिमा का विसर्जन शनिवार को डीजे की धुन में गली भ्रमण करते हुए शीतला तालाब में किया गया। समिति द्वारा खिचड़ी प्रसाद बांटा गया। इसी तरह चिंगरी, अछोटी, भरदा, कुथरेल, कोनारी, चंदखुरी, कोलिहापुरी, जंजगिरी, खप्परवाड़ा आदि गांवों में भी प्रतिमा विसर्जन हुआ।

# शपथ फाउंडेशन का दिवाली मिलन समारोह संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई ।** शपथ फाउंडेशन भिलाई का दिवाली मिलन समारोह नेहरू नगर भिलाई में शपथ फाउंडेशन के प्रमुख संरक्षक वीरेंद्र सतपथी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। साथ ही शपथ फाउंडेशन के संरक्षक अनिल शुक्ला का जन्मदिन शपथ परिवार द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम में शपथ फाउंडेशन के संरक्षक रमेश श्रीवास्तव,अध्यक्ष अशोक गुप्ता,महासचिव अमिताभ भट्टाचार्य,स्वयं सिद्धा संस्था की अध्यक्ष डॉ सोनाली चक्रवर्ती ,शपथ फाउंडेशन के उर्मिला उपाध्याय,रश्मि सागर,कल्पना स्वामी,पुष्पा पटेल,रूखमणी वर्मा,संगीता शुक्ला,पुष्पा भट्टाचार्य, स्वेता ताम्रकार,प्रीति गुप्ता,विकाश जैसवाल,कन्हैया चुरहे,जितेंद्र हसवानी,अभिजीत पारख,मोहन राव,अरविंद तिवारी,सुनील यादव,मोहसिन अली, के एस जैसवाल, सूरज साहू ,हनी आवडे आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे।कार्यक्रम में आगामी 2 फरवरी 2024 को आयोजित होने वाले थैंक यू भिलाई कार्यक्रम को भिलाई टाउन शिप में भव्य रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया । समारोह में उपस्थित वीरेंद्र सतपथी,अशोक गुप्ता, डॉ सोनाली चक्रवर्ती ने संबोधित किया कार्यक्रम का संचालन अमिताभ भट्टाचार्य तथा आभार प्रदर्शन अनिल शुक्ला ने किया।

# सेल-बीएसपी ने साबरमती स्थित फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट से 260 मीटर लंबी रेल पैनल का पहला रेक भेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने साबरमती स्थित फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट (थ्ठॅच) से 260–मीटर पैनल का पहला रेक भेजकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारतीय रेलवे द्वारा लंबे वेल्डेड रेल पैनल 260 मीटर की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल की यह वेल्डिंग प्लांट भिलाई इस्पात संयंत्र, यूनिवर्सल रेल मिल व रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से लंबे रेल पैनल की आपूर्ति को बढ़ाएगी।

भारतीय रेलवे द्वारा लंबे वेल्डेड रेल पैनल 260 रू की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल की यह वेल्डिंग प्लांट भिलाई इस्पात संयंत्र, यूनिवर्सल रेल मिल व रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से लंबे रेल पैनल की आपूर्ति को बढ़ाएगी। भारतीय रेलवे की इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु, सेल ने 13 और 26 रू लंबी रेल को 260 रू लंबे रेल पैनलों में वेल्डिंग करने के लिए साबरमती, अहमदाबाद में भारतीय रेलवे की फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट सुविधा का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा। 26 दिसंबर, 2022 को भारतीय रेलवे के साथ एक एमओयू साइन किया गया और उसके बाद सेल–बीएसपी ने पश्चिमी रेलवे के साबरमती वेल्डिंग प्लांट का अधिग्रहण कर लिया। प्लांट कमीशनिंग स्टेज पर था और कई चुनौतियों पर काबू पाने के बाद, 18 अक्टूबर, 2023 को एफबीडब्ल्यूपी–साबरमती से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ7 वेल्डिंग के लिए इनपुट रेल की आपूर्ति बीएसपी के रेल और स्ट्रक्चरल मिल से की गई7 6 नवंबर, 2023 को साबरमती स्थित फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट से पहला 260 रू रेल पैनल रेक भेजा गया। प्लांट को कमीशन करने, वेल्डिंग मापदंडों के मानकीकरण और एफबीडब्ल्यूपी साबरमती प्लांट को शुरू करने के लिए बीएसपी और आरडीसीआईएस–रांची की टीमों को तैयार किया गया था। मुख्य महाप्रबंधक (ओएचपी) श्री हेमन्त पाठक, मुख्य महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट कार्यालय) पंकज पुरी, महाप्रबंधक (यूआरएम) रजत मुखर्जी, महाप्रबंधक (आरएसएम) प्रशांत लाखे, महाप्रबंधक (आरसीएल) के वी शंकर, महाप्रबंधक (सी एम ओ) साई नटेश, महाप्रबंधक (आरडीसीआईएस) संजीव कुमार और प्रबंधक (आरसीएल) कुमार सौरभ ने साबरमती स्थित फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट का स्थायीकरण करने, वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने और एफबीडब्ल्यूपी–साबरमती से पहली रेक भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेल के सेंट्रल मार्केटिंग आर्गेनाइजेशन (सी एम ओ) ने भी साबरमती स्थित इस प्लांट की स्थापना हेतु अहम सहयोग किया। उपलब्धि में शामिल टीमों को बधाई देते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता और कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने इसकी सराहना की। उन्होंने साबरमती में शामिल बीएसपी टीम को बधाई दी और उन्हें संयंत्र की मापित क्षमता हासिल करने टीम भावना को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

# हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षा हेतु अंतिम तिथि तक 24 हजार दो सौ ऑनलाईन आवेदन प्राप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में अगामी दिसंबर–जनवरी माह में आयोजित होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं के ऑनलाईन आवेदन पत्र विलंब शुल्क के साथ जमा करने के अंतिम दिन तक कुल 24200 ऑनलाईन आवेदन प्राप्त हुए है।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रषांत श्रीवास्तव एवं उपकुलसचिव, डॉ. राजमणि पटेल ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रारंभ में बिना विलंब शुल्क के सेमेस्टर परीक्षा की तिथि 10 नवंबर तक निर्धारित थी तथा 10 से 18 नवंबर तक 100 रूपये विलंब शुल्क के साथ परीक्षार्थियों को आवेदन पत्र जमा करने की अनुमति प्रदान की गई थी। आज आवेदन के अंतिम दिन लगभग 600 से अधिक सेमेस्टर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाईन आवेदन पत्र विलंब शुल्क के साथ जमा किया।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि सेमेस्टर परीक्षाओं में महाविद्यालयों के नियमित विद्यार्थी एमए, एमएससी, एमकॉम, एमएड, बीएड तृतीय सेमेस्टर, बीबीए, एलएलबी, एमएसडब्लयू, पीजी डिप्लोमा इन योगा आदि कक्षाओं हेतु परीक्षा देंगे। बीएड प्रथम सेमेस्टर की प्रवेष प्रक्रिया जारी रहने के कारण बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा हेतु पृथक से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे।

शेष सेमेस्टर कक्षाओं की परीक्षा दिसंबर माह की अंतिम सप्ताह से प्रारंभ होने की विश्वविद्यालय प्रषासन तैयारी कर रहा है। इस बीच विद्यार्थियों को समय पर परीक्षा परिणाम उपलब्ध कराने के उद्देष्य से विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने परीक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर सेमेस्टर परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिका के केन्द्रीय मूल्यांकन कराये जाने के निर्देष दिये।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में चल रही विष्वविद्यालय की पूरक परीक्षाओं के केन्द्रीय मूल्यांकन के फलस्वरूप उत्तरपुस्तिकाओं का तीव्र गति से मूल्यांकन हो रहा है तथा विष्वविद्यालय द्वारा बीसीए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा एमफिल इन क्लीनिकल साइकोलॉजी, बीएबीएड भाग 02 के पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित किये जा चुके हैं।

# भगवान चित्रगुप्त की जयंती पर कसारीडीह के सांस्कृतिक भवन में आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भगवान चित्रगुप्त की जयंती पर भाई दूज पूजा, आरती चित्रगुप्त सांस्कृतिक भवन कसारीडीह में की गई। इस दौरान मुख्य यजमान चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव और रितु ने भगवान की पूजा की।

समाज के सदस्यों को प्रसाद बांटा गया। इसके बाद दीपावली मिलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई। एसके सहाय, प्रशांत श्रीवास्तव, संतोष खरे, दिवेश श्रीवास्तव, सावन श्रीवास्तव, अंजली बक्शी ने गीत गाए। अराधना खरे, अनुराधा बक्शी, राजनारायण श्रीवास्तव ने काव्य पाठ किया। नृत्य में अनन्या खरे, अदिति और अक्षिता वर्मा, अनाया श्रीवास्तव ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया। इस दौरान बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं और युवतियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता कराई गई, जिसका पुरस्कार वितरण समाज के वरिष्ठों आरके वर्मा, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव डीन हेमचंद यूनिवर्सिटी, रघुनंदन लाल श्रीवास्तव ने किया। वहीं रंगोली में जूनियर वर्ग में प्रथम अंजली बक्शी, द्वितीय कौस्तुभी श्रीवास्तव, तृतीय प्रभांशी श्रीवास्तव, सीनियर वर्ग मे प्रथम सुप्रिया वर्मा, द्वितीय स्थान रश्मि श्रीवास्तव, कविता श्रीवास्तव, तृतीय अराधना खरे रहीं।

# सेल–विजन के प्रारूप के निर्माण लिए प्रश्नावली का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील ऑथोरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) के विजन के पुनः प्रारूप के निर्माण के लिए निदेशक प्रभारी सभागार, भिलाई इस्पात संयंत्र में दिनांक 18 नवंबर 2023, शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा कि एक नया विजन स्टेटमेंट हमारी आकांक्षा है।

मैं सभी कर्मचारियों और हितधारकों से इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए प्रत्येक की राय महत्वपूर्ण है, जिससे हम अपने विजन स्टेटमेंट को सामूहिक रूप से अपना सकें।' हमें अपना दृष्टिकोण इस प्रकार स्पष्ट करना चाहिए कि हम स्थिरता की दिशा में काम करें। श्री अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा विधिवत इस प्रश्नावली का विमोचन किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में इस पहल की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए इसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों का आह्वान किया कि वो इस प्रश्नावली को भरने के लिए सभी कार्मिकों को प्रेरित करें। इसके अलावा कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) सुब्रत मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ ए के पंडा, कार्यपालक निदेशक (रावघाट) समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) पवन कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी रविन्द्रनाथ एम एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दृष्टिपथ किसी संगठन के दीर्घकालिक लक्ष्यों की घोषणा है, जिसमें बताया जाता है कि वह संगठन क्या बनना चाहता है। यह किसी कंपनी के प्रयास करने के लिए एक लक्ष्य के रूप में कार्य करता है। सेल अपने दृष्टिपथ को तैयार करने की प्रक्रिया में हैं और इसमें सभी कार्मिकों को इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण हितधारक माना गया है। कार्मिकों के विचार और सुझाव प्राप्त करने के लिए एक द्विभाषी सर्वेक्षण प्रश्नावली एएससीआई हैदराबाद (इपसपदहनंस ेनतअमल ुनमेजपवददंपतम, ंैब्प्ए भ्लकमतंइंक) द्वारा डिजाइन किया गया है, जिसे ऑनलाइन भरा जा सकता है।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम, महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) और नोडल अधिकारी, भिलाई इस्पात संयंत्र श्री अमूल्य प्रियदर्शी द्वारा इस अभिनव पहल के बारे में एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित कार्यपालक निदेशकों ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये और इस पहल की सफलता में अपने सक्रिय योगदान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के आरम्भ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) निशा सोनी ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा सहायक महाप्रबंधक (जनसंपर्क) सुश्री अपर्णा चंद्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया। उल्लेखनीय है कि इस ऑनलाइन प्रश्नावली का लिंक/क्यूआर कोड संयंत्र के होम पेज पर उपलब्ध होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950